हरिभूमि
रायपुर भूमि

तालाब के पास से गुजरना हुआ मुश्किल, पानी दूषित, प्लास्टिक कचरा, मलबे का ढेर, जलीय वनस्पति

5 वार्डों की निस्तारी का पारंपरिक स्त्रोत, विधायक सांसद, महापौर से लेकर निगम अफसर बेसुध

वेंटिलेटर पर महाराजबंध तालाब, मशीन शुरू ही नहीं हो पा रही, निस्तारी पर संकट

हरिभूमि सरोकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के महामाया मंदिर वार्ड स्थित ऐतिहासिक व प्राचीन महाराजबंद तालाब देखरेख के अभाव में दम तोड़ने लगा है। तालाब में नाला का गंदा पानी जाने से रोकने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 10 करोड़ की लागत से 3 एमएलडी ▶▶|शेष पेज 11 पर

तालाब का पानी दूषित नहावन के लिए मंगाना पड़ रहा टैंकर

महामाया मंदिर वार्ड पार्षद जयश्री नायक ने महाराजबंद तालाब की अनदेखी पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि जिस तालाब से महामाया मंदिर वार्ड, वामनराव लाखे वार्ड, महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड, विपिन बिहारी सूर वार्ड के लोगों की निस्तारी एक ▶▶|शेष पेज 11 पर

सीमांकन के लिए रुका पाथवे का काम

वार्ड पार्षद एवं नगर निगम के उपनेता प्रतिपक्ष जयश्री नायक ने बताया कि पाथवे निर्माण सहित अन्य कार्य के लिए 2 करोड़ रुपए स्वीकृत है पर सीमांकन कार्य नहीं होने से पाथवे निर्माण का काम अटक गया है। एसटीपी को तत्काल शुरू कराने भी निगम प्रशासन से मांग की गई है।

खबर संक्षेप

वकील पर जानलेवा हमला चार बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के राजातालाब में तीन दिन पूर्व आपसी रंजिश के चलते वकील पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। रमीजुद्दीन पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस ने मोहम्मद फजल खान, मोहम्मद सरताज शरीफ, फैजान हुसैन, अब्दुल कलाम उर्फ राजा को गिरफ्तार किया है। वकील पर जानलेवा हमला करने से नाराज अधिवक्ताओं ने सिविल लाइंस थाने का घेराव कर विरोध प्रदर्शन भी किया था। आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकालकर कोर्ट में पेश किया।

चाकू से जानलेवा हमला, आरोपी अब तक गिरफ्तार नहीं

रायपुर। देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व 8 मई को पूर्व आपसी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने का आरोपी अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। आपसी रंजिश के चलते त्रिमूर्ति नगर में संतोष जंघेल पर घनश्याम सोना ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। संतोष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपनी भांजी के साथ जा रहा था। इस दौरान घनश्याम ने संतोष का रास्ता रोककर उसके साथ गाली-गलौज की और चाकू से जानलेवा हमला कर मौके से फरार हो गया।

गर्लफ्रेंड से बात करने पर चाकू से हमला

रायपुर। आजाद चौक थाने के रामकुंड इलाके में गर्लफ्रेंड से बात करने पर एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर दिया। बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आदि ठाकुर की शिकायत पर पुलिस ने समीर निर्मलकर को गिरफ्तार किया है।

1867 से शहर की सरकार की गवाह रही मालवीय रोड की ऐतिहासिक बिल्डिंग

ऐतिहासिक बिल्डिंग पांच साल से खंडहर, कई प्लान बने, पर सब फेल

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर के प्राइम लोकेशन में मालवीय रोड पर स्थित पुराने मुख्यालय वाली बेशकीमती जमीन की 5 साल में नगर निगम उपयोगिता तय नहीं कर पाया है। खंडहर में तब्दील हो चुकी इस जमीन पर बनाई गई ऐतिहासिक ईमारत 1867 से शहर सरकार की गवाह रही।

साल 2020-21 में यहां संचालित नगर निगम जोन-4 और जोन-7 कार्यालय के संचालन और पार्किंग में आ रही दिक्कत को देखते हुए जोन-4 कमिश्नरी को मोतीबाग की पानी टंकी के नीचे स्थित नई बिल्डिंग में शिफ्ट किया गया, इसी तरह जोन-7 की शिफ्टिंग अग्रसेन चौक स्थित मंगलम कांप्लेक्स में की गई। इसके बाद जर्जर ईमारत ढहाई गई, ▶▶|शेष पेज 11 पर

ऐतिहासिक स्थल बनाने की रही योजना

पूर्व महापौर डॉ. किरणमयी नायक का कहना है कि दो दिन पूर्व ही मैंने इस जगह को देखा इसका कोई उपयोग नहीं हो रहा। महापौर के रूप में इस जगह को हिस्टोरिकल प्लेस बनाने की योजना ▶▶|शेष पेज 11 पर

पूछेंगे तब बताऊंगा क्या बनाया जाए

पूर्व महापौर सुनील सोनी का कहना है कि निगम मुख्यालय की पुरानी बिल्डिंग वाली खाली जमीन पर नगर निगम तय करेगा कि क्या बनाया जाए, इस पर वह काम करना चाहता है या नहीं? अभी तक तो ▶▶|शेष पेज 11 पर

- जोन-4 और जोन-7 कार्यालय की शिफ्टिंग के बाद 2020-21 में जर्जर इमारत को ढहाया
- पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने कहा- पीपीपी मोड वाला प्रोजेक्ट लाए थे

पीपीपी मोड पर जल्द लाएंगे प्रोजेक्ट : महापौर

महापौर मीनल चौबे का कहना है कि शहर हित में कुछ हटकर प्रोजेक्ट लाएंगे, जो पीपीपी मोड पर होंगे। इसके लिए ऑनलाइन टेंडर इनवेस्टर को आमंत्रित करेंगे। प्रोजेक्ट में ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग की भी योजना है। शासन स्तर पर जल्द ही इस प्रोजेक्ट की स्वीकृति लाकर पुराना निगम मुख्यालय वाली खाली जमीन पर योजना पर काम कराया जाएगा।

रायपुर स्मार्ट सिटी ने बनाई थी पुनर्विकास की योजना

नगर निगम मुख्यालय की पुरानी व ऐतिहासिक बिल्डिंग के पुनर्विकास को लेकर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने योजना बनाई थी। जिसके मुताबिक, इस जगह का उपयोग पुनर्निमाण कर ऐतिहासिक टाउनहाल, ▶▶|शेष पेज 11 पर

पुराने निगम मुख्यालय भवन का इतिहास

17 मई 1867 को रायपुर नगरपालिका का गठन। शुरुआत में यहां संचालन के लिए जिले का अधिकारी डिप्टी कमिश्नर होता था। नगरपालिका को 1883 और 1903 में मध्यप्रांत तथा सीपी ▶▶|शेष पेज 11 पर

पांचमंजिला ईमारत बनाई जाए : दुबे

पूर्व महापौर प्रमोद दुबे का कहना है कि शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र की इस जमीन पर 3 फ्लोर में मल्टीलेवल पार्किंग और ऊपर के 2 फ्लोर केवल आफिस कार्य के लिए बना दिया जाएं तो इससे आसपास के लोग अपनी गाड़ियां पार्क कर सकेंगे, क्योंकि जवाहर बाजार की पार्किंग छोटी पड़ने लगी है। गोलबाजार, ▶▶|शेष पेज 11 पर

पीपीपी मोड पर लाए थे प्रोजेक्ट : ढेबर

पूर्व महापौर एजाज ढेबर का कहना है कि हमारे कार्यकाल में मालवीय रोड के प्राइम लोकेशन पर सुरक्षित इस जमीन पर कमर्शियल कांप्लेक्स बनाने पीपीपी मोड पर प्रोजेक्ट लेकर आए थे। यदि इस पर काम होता तो इससे नगर निगम की आय दोगुनी हो जाती। पार्किंग की भी समस्या नहीं रहती, लेकिन इस योजना पर काम नहीं हो पाया।

सामान्य रहा मौसम, अब तापमान के साथ गर्मी बढ़ने के बन रहे आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शाम होने के बाद बिगड़ने वाला मौसम रविवार को शांत रहा। ऊपरी वायुमंडल में आने वाली नमी की मात्रा कम होने की वजह से अब तापमान के साथ गर्मी बढ़ने की संभावना बन रही है। शनिवार को राजधानी में 2 और माना में 3 सेमी. तक बारिश हुई, जिसके प्रभाव से रविवार को कम गर्मी महसूस हुई। मई के दस दिन भले ही राहत भरे हों, मगर आने वाले दिनों, खासकर तीसरे और चौथे सप्ताह में गर्मी अपना ज्यादा असर दिखा सकती है। शनिवार की शाम रायपुर से लेकर माना तक अच्छी बारिश हुई। इस वर्षा के प्रभाव से रात का मौसम ठंडा रहा और रविवार को दिन भी ज्यादा गर्म नहीं हो पाया। अलबत्ता पिछले दो दिन से दोपहर बाद बिगड़ने वाले मौसम में रविवार को बदलाव नहीं हुआ। रविवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 37.8 तथा प्रदेश का सर्वाधिक तापमान दुर्ग का 39.5 डिग्री दर्ज किया गया।

- शनिवार की शाम शहर में 2 और माना में 3 सेमी. तक बारिश

बना हुआ है ये सिस्टम

अभी भी पश्चिमी विक्षोभ 56 डिग्री पूर्व और 32 डिग्री उत्तर में स्थित है। ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण मध्य प्रदेश के मध्य भाग के दक्षिण हिस्से में विस्तारित है। एक द्रोणिका राजस्थान से गंगेटिक पश्चिम बंगाल तक छत्तीसगढ़ होते हुए मौजूद है।

इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा दूर, राखी में बनेगा नवा रायपुर का सिविल अस्पताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर के लोगों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने राखी में ही सौ बेड की क्षमता वाला सिविल अस्पताल बनाया जाएगा। अस्पताल का नया भवन बनाने के लिए जमीन चिन्हांकित कर ली गई है और जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर उसे स्वास्थ्य विभाग को आवंटित किया जाएगा। नवा रायपुर में बनने वाले इस अस्पताल के लिए 18 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

मंत्रालय, विधानसभा के अलावा तमाम मुख्यालयों के नवा रायपुर में शिफ्टिंग के बाद वहां बढ़ने वाली आबादी को उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए शासकीय स्तर पर ग्राम राखी में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई थी। सीएचसी को सिविल अस्पताल बनाने के लिए 18 करोड़ 48 लाख रुपए स्वीकृत किए गए थे। करीब सालभर पहले स्वीकृत इस राशि से निर्माण कार्य शुरू करने का पेंच उपयुक्त जमीन पर अटका था। एनआरडीए द्वारा इसके लिए रायपुर जिले की सीमा पर, यानी जंगल सफारी के आगे जमीन आवंटित किए जाने पर विचार किया जा रहा था। जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इस पर आपत्ति थी, उनका तर्क था कि मूल अस्पताल से दूर होने की वजह से लोगों को जरूरी ▶▶|शेष पेज 11 पर

- जमीन का चिन्हांकन, जल्द स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर

सेटअप भी होगा स्वीकृत

राखी में सौ बेड की क्षमता वाला सिविल अस्पताल बनाए जाने के बाद वहां जरूरतों के हिसाब से सेटअप स्वीकृत कर चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी। इस सिविल अस्पताल में जनरल ट्रीटमेंट के साथ ऑपरेशन थियेटर सहित अन्य जरूरी सुविधा मौजूद रहेगा। मरीजों को यहां मेडिसिन, आर्थो, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की सुविधा भी मिलेगी।

आंधी-तूफान के दूसरे दिन भी अव्यवस्था, सड़क पर नाली की गंदगी, मुख्य चौक पर लटक रहे सरकारी बैनर-पोस्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेज आंधी और बारिश के बाद शनिवार की शाम शहर की लड़खड़ाई व्यवस्था रविवार को भी पटरी पर नहीं लौटी। कहीं सड़क पर नाली की ओवरफ्लो हुई गंदगी से लोग परेशान दिखे तो कहीं पर चौक-चौराहों में प्रचार-प्रसार के लिए लगाए गए होर्डिंग्स तेज हवा में फटकर लटकते रहे, जिन्हें वहां से हटाया नहीं गया। इनमें सरकारी कार्यक्रमों के प्रचार और निजी बैनर पोस्टर भी शामिल रहे। इधर रामकी कंपनी की सफाई गाड़ियां शहर के कुछ इलाकों में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए रविवार को नहीं पहुंचीं। इससे लोगों को परेशानी हुई। पता चला कि वेतन भुगतान समय पर नहीं होने से नाराज रामकी के कुछ सफाई वाहन चालकों ने दलदल सिवनी के पाइंट से अपनी गाड़ियां ही बाहर नहीं निकालीं।

आंधी-तूफान थमने के बाद भी शहर में दूसरे दिन अव्यवस्था से लोग परेशान रहे। रिहाइशी इलाके की सड़कों पर नालियों की ▶▶|शेष पेज 11 पर

- व्यवस्था सुधारने सड़क पर नहीं उतरा निगम अमला

लटकते बैनर-पोस्टर उतारने नहीं आए

एक दिन पहले तेज हवा के झोंकों से शहर के आउटर सहित अंदरूनी इलाकों में लगाए गए बैनर-पोस्टर कई टुकड़े होकर हवा में लटकते रहे। जिसे उतारने रविवार को नगर निगम का दल शहर में कहीं नजर नहीं आया। देवेंद्र नगर चौक, पंडरी, सुंदर नगर, मालवीय रोड, जयस्तंभ, पचपेड़ी नाका, मोवा, सिविल लाइंस सहित अन्य इलाकों में यही स्थिति बनी रही।

राजधानी रायपुर का हाल ही गांवों से भी ज्यादा खराब

प्रदेशभर में कमजोर फीडरों की भरमार, नहीं झेल पाते मौसम की मार, झट होती है बिजली गुल

एक बार बिजली गुल हुई तो खराबी ठीक होने में घंटों लग जाते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेशभर में थोक में कमजोर फीडरों की भरमार है। ये फीडर इतने ज्यादा कमजोर हैं कि मौसम की हल्की-सी भी मार नहीं झेल पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों का सबसे ज्यादा बुरा हाल रहता है, लेकिन राजधानी रायपुर की स्थिति भी गांवों जैसी हो गई है। राजधानी में भी थोक में ऐसे फीडर हैं, जो इतने कमजोर हैं कि मौसम का मिजाज बदलते ही हल्की-सी आंधी या बारिश होते ही धड़ाधड़ फीडर बंद होते चले जाते हैं और शहर घंटों अंधेरे में डूब जाता है। बिजली विभाग का अमला भी ऐसा लाठीटेक है कि खराबी को खोजने में घंटों लग जाते हैं। बीते पांच दिनों से डीडीनगर के

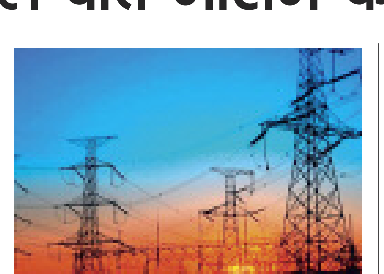

साइंस कॉलेज के फीडर में लगातार खराबी रही है और दो से पांच घंटे तक बिजली गुल से लोग परेशान रहे हैं। ऐसा ही हाल शहर में और कई स्थानों पर रहा। गर्मी से सीजन में हमेशा से ही मई के माह में आंधी, तूफान और बारिश का आना आम ▶▶|शेष पेज 11 पर

साइंस कॉलेज फीडर बहुत कमजोर

राजधानी के डीडी नगर क्षेत्र में बहुत से फीडर है, इनमें साइंस कॉलेज का फीडर बरसों से कमजोर है। मौसम के खराब होते ही सबसे पहले इसी फीडर की बिजली गुल होती है। बाकी फीडरों की बिजली बहुत कम जाती है। बिजली विभाग के अधिकारी भी यह नहीं बता पाते हैं कि आखिर साइंस कॉलेज का फीडर ही मौसम की मार दूसरे फीडरों की तरह क्यों झेल नहीं पाता है। जानकारों का कहना है कि राजधानी के हर क्षेत्र में साइंस कॉलेज जैसे कमजोर फीडरों की कमी नहीं है। इस सप्ताह पांच दिनों तक लगातार मौसम खराब होने के कारण साइंस कॉलेज का फीडर रोज खराब होता रहा है। पांच दिनों में कभी दो घंटे तो कभी तीन घंटे तो कभी पांच घंटे तक बिजली बंद रही है। एक दिन पहले ही खराबी आने पर पूरे फीडर को ठीक करने में पांच घंटे का समय लगा। पौने सात बजे से बिजली गुल हुई तो सभी क्षेत्रों की बिजली आने में रात के 12 बजे गए। इस सप्ताह राजधानी में आधे घंटे का पूरा ब्लैक आउट होने के साथ ही करीब 40 फीडरों में खराबी आई और पूरी बिजली व्यवस्था बहाल करने में 24 घंटों से ज्यादा का समय लग गया। बिजली विभाग में एक सबसे बड़ी परेशानी वाली बात यह है कि विभाग का अमला अब तक लाठी टेक है। किसी भी क्षेत्र में बिजली गुल होने के बाद खराबी को खोजने के लिए पेट्रोलिंग का सहारा रहता है। पेट्रोलिंग में घंटों लग जाते हैं, पर कई बार खराबी नहीं मिलती है।

खबर संक्षेप

करियर गाइडेंस व काउंसलिंग कार्यशाला आयोजित की

अभनपुर। ग्राम बिरोदा में आशाएं उम्मीद की एक किरण संस्था द्वारा हाल ही में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए करियर गाइडेंस एवं काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई, विषय चयन और रोजगार उन्मुख शिक्षा के बारे में मार्गदर्शन देना था, ताकि वे अपने भविष्य के लिए सही निर्णय ले सकें। कार्यक्रम में मार्गदर्शक हेमंत कुमार साहू, दीपक ध्रुवंशी और वेदप्रकाश साहू ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से लक्ष्य निर्धारण, विषय चयन और विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने सवालों के जवाब भी प्राप्त किए। कार्यक्रम में मार्गदर्शक हेमंत कुमार साहू, दीपक ध्रुवंशी एवं वेदप्रकाश साहू ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से लक्ष्य निर्धारण, विषय चयन और विभिन्न करियर विकल्पों पर विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष सुश्री डामेश साहू, उपाध्यक्ष महेंद्र साहू, सचिव चंदन कश्यप, संरक्षक प्रेम दीप साहू, इंद्रजीत साहू, ग्राम सरपंच श्रीमती शारदा पठारी, डगेश्वर साहू, शिक्षक गिरधर साहू, रूपेश्वरी, सरद साहू, दीपिका साहू सहित आसपास के गांव हसदा व टोकरो के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मातृसदन विद्यालय में प्रवेश लाटरी ड्रा आज

मंदिर हसौद। नगर पालिका मंदिर हसौद स्थित शासकीय मातृ सदन अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय में कक्षा पहले एवं कक्षा 9 वी में प्रवेश के लिए आज 11 मई को 12:00 बजे मातृ सदन स्कूल में लॉटरी निकला जाएगा । जिसमें सम्मिलित होने के लिए प्राचार्य एक्का मैडम ने शाला विकास समिति के सभी सदस्य एवं पालकों से अपील किया।

करहीडीह में नया ट्रांसफार्मर स्वीकृत होने से ग्रामीणों में हर्ष

आरंग। आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम करहीडीह (मालीडीह) में लंबे समय से बनी कम वोल्टेज की समस्या अब जल्द दूर होने जा रही है। गांव में नया ट्रांसफार्मर स्वीकृत होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ट्रांसफार्मर स्वीकृति को लेकर ग्रामीणों ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के प्रति आभार जताया है। बताया गया कि ग्राम करहीडीह में बिजली की कम वोल्टेज समस्या के कारण ग्रामीणों को घरेलू कार्यों के साथ-साथ कृषि कार्यों में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर गर्मी के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत आरंग के सभापति अमर माण्डले ने मंत्री गुरु खुशवंत साहेब को आवेदन सौंपकर गांव में नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की थी।

निधन

यशवंत दीवान

आरंग। ग्राम परसदा (सेमरिया) निवासी 39 वर्षीय यशवंत दीवान का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया। उबकी अंतिम यात्रा मे परिजन व ग्रामीण शामिल हुए। वव टीकम बाई के पति थे।

दसवी-बारहवी की बोर्ड परीक्षाओं में आरंग ब्लाक जिले में सर्वप्रथम

12वीं में 93 प्रतिशत और कक्षा 10वीं का 88 प्रतिशत रहा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में आरंग विकासखंड ने सफलता का परचम लहराते हुए रायपुर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विकासखंड का कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 93% और कक्षा 10वीं का 88% रहा है। ज्ञात हो कि सुशासन शिविरों में ऐसे होनहार विद्यार्थियों को कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब द्वारा लगातार सम्मानित कर प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया जा रहा है, ताकि आगामी सत्र में विद्यार्थी और अधिक प्रेरित हों। विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, आरंग के

14 स्कूलों का 100% परिणाम

विकासखंड के 14 स्कूलों का परीक्षा परिणाम 100% रहा। बकतरा स्कूल के सभी 32 छात्र और सेमरिया स्कूल के 46 में से 45 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के 'मिशन उत्कर्ष' के प्रभावी क्रियान्वयन को दिया है। ज्ञात हो कि बीईओ शर्मा ने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए न केवल मोटिवेशनल क्लास ली, अपितु बच्चों को सफलता के टिप्स भी दिए हैं। उन्होंने प्राचार्यों की समीक्षा बैठक के साथ ही ब्लूप्रिंट आधारित शिक्षण पर जोर दिया एवं मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक और प्री-टेस्ट की भी समीक्षा कर योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण पर फोकस किया। उनके अनुसार आगामी सत्र में सफलता का ग्राफ और ऊपर जाएगा।

विद्यार्थियों ने न केवल उत्तीर्ण होने में बल्कि गुणवत्ता में भी बाजी मारी है। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदिरहसौद की 12वीं की छात्रा मानसी टंडन ने कॉमर्स संकाय में 96.40% अंक पाकर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में 10वां स्थान प्राप्त किया। साथ ही दीप्ति साहू 95.2%, मीनाक्षी यादव 94.8%, पूजा जायसवाल 94.2%, वंशिका गिलहरे 93.8% खपरी, गायत्री साहू 93.2% टेकारीकुंडा सराहनीय रहे। कक्षा 10वीं में 92 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए तथा इंदु धीवर 96.5% कोरासी, अनीता टंडन 96.33% बकतरा, साधना साहू 96.03% भिलाई एवं रिद्धिमा शर्मा 96% आरंग रहे। कक्षा 12वीं में 34 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक का आंकड़ा पार किया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह समारोह में मंत्री खुशवंत गुरु सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल हुए

बाजे गाजे के साथ निकाली बारात व 16 युगलों की हुआ सामूहिक विवाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना आरंग एवं मंदिरहसौद द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत टाउन हॉल आरंग में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। गरिमामयी वातावरण में आयोजित इस समारोह में 16 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ परिणय सूत्र में बंधकर नवदांपत्य जीवन में प्रवेश किए। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वहीं नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत आरंग की अध्यक्ष टाकेश्वरी मुरली साहू ने की। विशिष्ट अतिथियों में चर्म शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष ध्रुव कुमार मिर्धा, जनपद पंचायत आरंग के उपाध्यक्ष रविन्द्र चन्द्राकर, नगर पालिका परिषद मंदिरहसौद के अध्यक्ष गोपाल चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, नगर पंचायत चंदखुरी के अध्यक्ष प्रतीक बैस,

उपाध्यक्ष रविकांत सोनी, नगर पंचायत समोदा के अध्यक्ष छोटेलाल सोनकर, उपाध्यक्ष अंगेश्वर देवांगन, नगर पालिका आरंग के उपाध्यक्ष हीरामन कोशले, भाजपा मंडल अध्यक्ष देवनाथ साहू, नगर पालिका परिषद आरंग की सभापति चितरेखा विक्रम परमार, जनपद पंचायत आरंग की सभापति रेखा कृपाल यादव सहित जनप्रतिनिधि, पार्षद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पारंपरिक रीति-रिवाज से निकाली बारात

समारोह में अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बड़ी संख्या में वर-वधु पक्ष के परिजन एवं नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत शासन की ओर से प्रत्येक वधु के बैंक खाते में 35 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इसके अलावा वर-वधु को विवाह का जोड़ा, श्रृंगार सामग्री, मंगलसूत्र एवं बिछिया भी भेंट की गई। सामूहिक विवाह समारोह में 16 दूल्हों की बारात गाजे-बाजे एवं पारंपरिक धूमधाम के साथ निकाली गई, जिसने पूरे आयोजन को उत्साह और उल्लास से भर दिया। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने नवविवाहित जोड़ों को सांकेतिक रूप से चेक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की सराहना करते हुए कहा कि विभाग द्वारा 5500 से अधिक जोड़ों का सामूहिक विवाह कर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया गया है। उन्होंने इसे मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना बताते हुए कहा कि यह योजना निर्धन परिवारों की बेटियों के सम्मानपूर्वक विवाह में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में परियोजना अधिकारी सोमनाथ राजपूत (आरंग) एवं दीप्ति शुक्ला (मंदिरहसौद) की विशेष भूमिका रही। मंच संचालन में ऋतु परिहार और अन्य व्यवस्थाओं में केसर द्विवेदी, आशा पात्रे, राजकुमारी द्विवेदी, अंजू लहरे, प्रीति वर्मा, अंजू तिर्की, वंदना दीक्षित, सरस्वती सोनी, रामेश्वरी वर्मा, नीता वर्मा, झरन धीवर, निर्मला खलको, पुष्प वर्मा एवं हेमंत शर्मा सहित विभागीय अमले, कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित यह समारोह सामाजिक समरसता, उत्साह और उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ।

अरुंधती देवी विद्यालय में प्रवेश लाटरी ड्रा 13 को

आरंग। पीएम श्री अरुंधती देवी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय आरंग में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा पहली एवं अन्य चयनित कक्षाओं में प्रवेश के लिए 13 मई को लॉटरी प्रक्रिया का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई है कि निर्धारित समय पर विद्यालय परिसर में पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से लॉटरी संपन्न कराई जाएगी। इस अवसर पर अभिभावकों एवं संबंधित विद्यार्थियों से निर्धारित समय प्रातः 9 बजे से प्रातः 11 बजे तक पीएम श्री अरुंधती देवी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय भवन (बेसिक शाला भवन) में उपस्थित रहने की अपील की गई है। प्राचार्य संध्यारानी बारीक एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष खिलेश धुरंधर ने लॉटरी की तिथि पर विचार किया तथा तत्संबंध में प्राचार्य द्वारा अनुविभागीय अधिकारी आरंग अभिलाषा पैंकरा एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा से चर्चा भी की गई है। 13 मई को विविध अधिकारियों, शाला विकास समिति के सदस्यों, पालकों एवं प्रेस की उपस्थिति में प्रवेश हेतु लॉटरी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस लॉटरी में ऑब्जर्वर भी शामिल होंगे। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ कर ली गई हैं। लॉटरी के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों की सूची विद्यालय तथा तहसील कार्यालय, जनपद एवं नगर पालिका के सूचना पटल पर प्रदर्शित की जाएगी।

मानस महायज्ञ की तैयारी जारी यज्ञशाला के लिए भूमिपूजन

आरंग। आरंग की पुण्य एवं धर्ममयी धरा पर लगभग 43 वर्षों पश्चात आयोजित होने जा रहे सप्त दिवसीय श्री रामचरितमानस महायज्ञ की तैयारियाँ विधिवत प्रारंभ हो चुकी हैं। इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक आयोजन के अंतर्गत भगवान श्री नरसिंह नाथ प्राकट्य उत्सव के पावन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन संपन्न किया गया तथा यज्ञशाला निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। ज्ञात हो कि आरंग में अंतिम बार वर्ष 1983 में श्री रामचरितमानस महायज्ञ का आयोजन हुआ था, जिसके पश्चात अब पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर में वर्ष 2026 में पुनः यह भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है, जिससे समस्त सनातन धर्मावलंबियों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण निर्मित है।

यह महायज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान मात्र नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति, सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना एवं सनातन जागरण का महाअभियान है। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि यह महायज्ञ जनकल्याण, विश्वशांति एवं समाज में सकारात्मक ऊर्जा के संचार हेतु समर्पित रहेगा। साथ ही आयोजन समिति, सर्व सनातनी समाज एवं संस्थान द्वारा समस्त आरंग क्षेत्र एवं आसपास के धर्मप्रेमी बंधुओं से इस पुण्य यज्ञ में तन, मन, धन से सहयोग कर सहभागी बनने का विनम्र आग्रह किया गया है।

कांग्रेस की बैठक आज राजीव भवन में

आरंग। कांग्रेस के राजीव भवन आरंग में 11 मई को दोपहर 2 बजे महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सभी ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, महिला कांग्रेस अध्यक्ष, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष, एनएसयूआई अध्यक्ष, मोर्चा संगठन के अध्यक्ष एवं प्रमुख कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रहेगी। बैठक में पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया मुख्य रूप से शामिल होंगे। आयोजकों द्वारा वरिष्ठ कांग्रेसजनों, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, शहर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस कमेटी, महिला कांग्रेस कमेटी, अजा विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, एनएसयूआई, सेवादल, नगरीय निकायों के कांग्रेस समर्थित पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, पंचों एवं समस्त कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने की अपील की गई है। बैठक का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी आरंग अध्यक्ष कोमल सिंह साहू, शहर कांग्रेस कमेटी आरंग अध्यक्ष खिलावन निषाद एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चंदखुरी अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव के नेतृत्व में किया जा रहा है।

ब्रह्माकुमारीज समर कैंप में बच्चों को मिली नैतिक शिक्षा

आरंग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के अमर ज्योति भवन आरंग में आयोजित 7 दिवसीय समर कैंप का रविवार को तीसरा दिन उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। शिविर में आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे बच्चों को नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास, साहस और मन को एकाग्र करने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी ममता बहन ने "डर के आगे जीत है" विषय पर बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में किसी न किसी बात का भय बना रहता है। कई बार हारने, असफल होने या नई शुरुआत करने का डर हमें आगे बढ़ने से रोक देता है। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति से घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि हर परिस्थिति हमें कुछ नया सिखाती है। जीवन में सफलता पाने के लिए साहस, दृढ़ता और निरंतर प्रयास जरूरी है। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। वहीं ब्रह्माकुमारी शांति बहन ने बच्चों को मन को एकाग्र करने के उपाय बताते हुए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति एक समय में अपने मन को एक ही लक्ष्य पर केंद्रित करता है, तो उसे सहज रूप से सफलता प्राप्त होती है। राजयोग के माध्यम से मन को शांत और स्थिर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए ब्रह्मकुमारी नंदनी बहन ने बताया कि यह समर कैंप 8 मई से 14 मई तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 10 बजे तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

टोकन सिस्टम और नैनो खाद की अनिवार्यता से बढ़ी दिक्कतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

■ पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने खाद वितरण नीति पर उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य सरकार की खाद वितरण नीति पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए सोसाइटियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही है। इससे किसानों में आगामी फसल को लेकर चिंता बढ़ गई है।

साहू ने बताया कि पिछले वर्ष 2024-25 में किसानों को प्रति एकड़ डीएपी की 2 बोरी (50 किलो), यूरिया की 3 बोरी (45 किलो) तथा सुपर फॉस्फेट आवश्यकता अनुसार बिना किसी सीमा के उपलब्ध कराया जाता था। लेकिन इस वर्ष नई व्यवस्था के तहत डीएपी, यूरिया, सुपर फॉस्फेट और पोटाश—सभी की मात्रा घटाकर प्रति एकड़ केवल 1-1 बोरी कर दी गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि कई सोसाइटियों में अभी तक खाद उपलब्ध नहीं है और वितरण के लिए टोकन प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली के तहत किसानों को पहले टोकन लेना होगा, उसके बाद ही खाद दिया जाएगा, वह भी चरणबद्ध तरीके से। इससे छोटे और बड़े किसानों के बीच भेदभाव की स्थिति बन रही है। नैनो यूरिया और नैनो डीएपी को अनिवार्य किए जाने पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि किसानों का अनुभव इन उत्पादों के प्रति सकारात्मक नहीं रहा है और इससे उत्पादन पर अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते।

उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि यह नीति धान उत्पादन को प्रभावित करने के उद्देश्य से बनाई गई है, ताकि घोषित समर्थन मूल्य पर खरीदी की जिम्मेदारी से बचा जा सके। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। धनेंद्र साहू ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह वर्तमान आदेशों को तत्काल निरस्त करे और पूर्व वर्षों की तरह किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराए, ताकि कृषि कार्य प्रभावित न हो।

भगवान की कृपा बिना भगवान को जानना सम्भव नहीं है : पं. संजय शर्मा

भगवान कृष्णा की बाल लीला में पूतना और तृणावर्त वध की कथा ने किया भाव-विभोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरपोंगी

■ मानव जीवन का सर्वोपरि धर्म है गौ सेवा

समीपस्थ ग्राम मोहदा मे जारी भागवत के सातवे दिन कथा वाचक पं संजय शर्मा निनवा वाले ने भगवान कृष्ण की माधुर्य बाल लीलाओं का वर्णन किए। जिसे सुनकर सभी श्रोतागण हर्षित और रोमांचित हो उठे।

उन्होंने कथा के दौरान पूतना, तृणावर्त आदि राक्षसो की वध की कथा बताये. आचार्य जी ने कहा कि भगवान की लीला अद्भुत, अलौकिक और साधारण बुद्धि से परे होती है। ईश्वर की लीला को ब्रह्मा आदि देवता भी समझ नहीं पाते और उन्हें शंका हो जाती है। आचार्य जी ने कहा कि भगवान और उनकी लीला को वही जान सकता और समझ सकता है जिसे भगवान अपनी कृपा से जना दे अर्थात ईश्वर की विशेष कृपा होने पर ईश्वर को जाना जा सकता है। जब भगवान कृष्ण अपनी बाल लीला मे गौ चारण के दौरान अपने मित्रों के झूठन रोटी को खाए तो ब्रह्मा जी को शंका होने लगी कि झूठन खाने वाला बालक भगवान नहीं हो सकता. तब ब्रह्मा जी ने कृष्ण की परीक्षा लेने के लिए सारे गायो और ग्वालों को गुफा के अंदर एक वर्ष तक छिपा दिए थे। बाद मे ब्रह्मा जी की शंका दूर और भगवान कृष्ण के चरणों मे गिरकर उनकी स्तुति करने लगा।

भौतिक आँखों से भगवान का दर्शन संभव नहीं

उन्होंने कहा ईश्वर को जानना या अनुभव करना भौतिक आँखों से आसान नहीं है, क्योंकि वे इंद्रियों से परे एक सूक्ष्म, सर्वव्यापी और निराकार सत्ता हैं। उन्हें केवल मन की आंखों, प्रेम, विश्वास, निस्वार्थ कर्म और अंतरात्मा की आवाज से महसूस किया जा सकता है। बाहरी कर्मकांडों की तुलना में खुद को जानना और स्वार्थ से ऊपर उठना ईश्वर को समझने का मार्ग है। ईश्वर केवल मंदिर और मूर्ति मे ही नहीं है परमात्मा तो कण कण मे विद्यमान है।

गाय माता में 33 कोटि देवताओं का वास

आचार्य शर्मा ने गौ रक्षा और गौ सेवा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हम सब को मिलकर गौ माता की रक्षा और सेवा करना हमारा परम कर्तव्य है और गौ हत्या को रोकने का भरपूर प्रयास हम सब को करना बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे सनातन हिन्दू धर्म मे गौ की रक्षा और सेवा को परम धर्म बताया गया है. गौ माता के शरीर मे सारे देवी देवताओ का वास होता है. एक गौ माता की पूजा करने से 33 कोटि देवताओ की पूजा करने का फल प्राप्त हो जाता है. गौ सेवा से आत्मिक शांति, सुख-समृद्धि, पितृ दोष व वास्तु दोषों का भी निवारण होता है। साथ ही, हरा चारा खिलाना, गुड़ का भोग, और पंचगव्य का उपयोग करना गौ सेवा के प्रमुख अंग हैं। कथा श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रोतागण उपस्थित थे।

श्रद्धा, शांति व सदभावना का अनुभव देता है कौशल्या धाम

आरंग। माँ शब्द अपने आप में प्रेम, त्याग, संस्कार और सुरक्षा की सबसे बड़ी पहचान है। दुनिया में मां का स्थान सबसे ऊंचा माना जाता है, क्योंकि मां ही वह शक्ति होती है जो अपने बच्चों को स्नेह के साथ जीवन जीने की राह दिखाती है। मदर्स डे के इस विशेष अवसर पर जब लोग अपनी माताओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं, तब छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर स्थित चंदखुरी का मां कौशल्या धाम भी मातृत्व की उसी दिव्य अनुभूति का संदेश देता नजर आता है। रायपुर जिले के चंदखुरी में तालाब के मध्य विराजमान मां कौशल्या मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में मां के महत्व का जीवंत प्रतीक है। यह वही पवित्र स्थान है, जिसे भगवान श्रीराम की ननिहाल और माता कौशल्या का मायका माना जाता है।

युद्ध की आग में प्लास्टिक उद्योग भी झुलसा, कई आइटमों के दाम 50 फीसदी तक बढ़े

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध की आग में प्लास्टिक उद्योग भी बुरी तरह से झुलस गया है। इसके कारण प्लास्टिक का हर तरह का सामान जहां महंगा हो गया है, वहीं इसका उत्पादन भी कम हो गया है। यही नहीं, डिमांड भी कम हो गई है। सबसे अहम कच्चा माल प्लास्टिक दाना, जो पहले 100 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम 180 से 200 रुपए हो गए हैं।

प्लास्टिक दाना महंगा, प्रदेश के 200 प्लास्टिक उद्योग संकट में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्लास्टिक स्क्रैब जो पहले 70-80 रुपए किलो मिलता था. उसके दाम 120 से 130 रुपए हो गए हैं। ऐसे में प्लास्टिक पाउच सहित सभी तरह से प्लास्टिक सामानों के दाम 20 से 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्लास्टिक दाना बनाने के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल्स (जैसे एथिलीन, प्रोपलीन) सीधे कच्चे तेल से बनते हैं। तेल महंगा होने से प्लास्टिक की उत्पादन लागत बढ़ गई है। ऐसे में प्लास्टिक दाना महंगा हो गया है। प्लास्टिक दाना महंगा होने के कारण उससे बनने वाले सभी तरह के प्लास्टिक के सामान भी महंगे हो गए हैं।

राहत देने योजना बनाए सरकार

प्लास्टिक के दाम बढ़ने के कारण इससे संबंधित उद्योग प्रभावित हो गए हैं। प्रदेश में करीब 200 उद्योग हैं। सरकार को उद्योगों को राहत देने के लिए योजना बनानी चाहिए। सब्सिडी देकर भी राहत दी जा सकती है।

- सतीश थौरानी, अध्यक्ष, छग चैंबर ऑफ कॉमर्स

प्रिंटिंग पाउच और पन्नी के दाम 50 फीसदी बढ़े

नमकीन सहित अन्य उत्पाद, दूध, दही सहित अन्य तरह से उत्पादों की पैकिंग में काम आने वाले पाउच के दाम सीधे 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। नमकीन का काम करने वाले राजधानी के राधाकिशन सुंदरानी के मुताबिक, पहले नमकीन के जो पाउच 200 रुपए किलो मिलते थे, उसके दाम अब 300 रुपए किलो हो गए हैं। कारोबारियों के मुताबिक, इसी तरह से सामानों के लिए जो सिंगल यूज प्लास्टिक पन्नी पहले 100 से 120 रुपए किलो बिकती थी, उसके दाम 180 से 200 रुपए किलो हो गए हैं। इसी के साथ चावल, सीमेंट प्लास्टिक की बोरियों के दाम भी बढ़े हैं। तेलों की पैकिंग में भी इजाफा हो गया है। कारोबारियों के मुताबिक, पहले एक लीटर तेल की पैकिंग पर 90 पैसे से एक रुपए तक का खर्च आता था, अब इसका खर्च दो रुपए हो गया है।

उद्योग संकट में

प्लास्टिक दाने के दाम बढ़ने के कारण प्लास्टिक उद्योग संकट में हैं। प्रदेश में 200 से ज्यादा छोटे उद्योग हैं, जो प्लास्टिक पन्नी, प्रिंटिंग पाउच, डिस्पोजल ग्लास सहित अन्य आइटम बनाते हैं। बिजली, पानी के पाइप, बिजली के अन्य सामान बनाने का काम भी प्रदेश में कई उद्योग करते हैं। इसी के साथ प्लास्टिक के टब, बाल्टी, कुर्सी और फर्नीचर सहित अन्य सामान बनते हैं। इसका कारोबार प्रभावित हो गया है। कीमत बढ़ने के कारण डिमांड भी कम हो गई है। ज्यादातर प्लास्टिक के सामानों के दाम 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जो प्लास्टिक की 20 लीटर की बाल्टी पहले 150 से 200 रुपए में मिलती थी उसकी कीमत 200 से 250 रुपए हो गई है। इसी तरह से प्लास्टिक के टब के दाम भी 50 से 60 रुपए बढ़ गए हैं। प्लास्टिक की कुर्सियों के दाम में भी 50 से 100 रुपए तक का इजाफा हो गया है। बिजली और पानी के पाइप के दाम में 20 फीसदी तक का इजाफा हो गया है।

खबर संक्षेप

विस अध्यक्ष डॉ. रमन से की मुलाकात

रायपुर। तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी के प्रांतीय संरक्षक अनिल श्रीवास्तव ने विस अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह से मुलाकात की। साथ ही गुलदस्ता भेंटकर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस दौरान छत्तीसगढ़ के 5 लाख कर्मचारियों की, जिसमें सरकारी कर्मचारी, निगम मंडल कर्मचारी, संविदा कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, कोटवार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, मितानिन, गो सेवक सहित विभिन्न वर्गों के कर्मचारी संगठन से जुड़े हुए कर्मचारियों की मांगों के संबंध में विस्तृत चर्चा की एवं मांगों के संबंध में पहल करने का अनुरोध किया, जिससे उनकी मांगें पूरी हो सकें और कर्मचारियों का असंतोष दूर हो सके। कर्मचारियों की महत्वपूर्ण मांगें लंबित हैं, जो मोदी की गारंटी में शामिल थीं। विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के घोषणापत्र में इसका उल्लेख किया गया था, लेकिन अभी पूरा नहीं हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष ने इस संबंध में सार्थक पहल करने का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का जिला सम्मेलन आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग 11 मई को रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में एक भव्य 'एक दिवसीय जिला सम्मेलन' आयोजित कर रहा है। यह आयोजन छत्तीसगढ़ी भाषा और स्थानीय बोलियों के संरक्षण, संवर्धन और शासकीय कामकाज में इसके उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जिला सम्मेलन में रायपुर संभाग के सभी जिलों से आए छत्तीसगढ़ी एवं अन्य स्थानीय बोलियों के साहित्यकार प्रतिभागी होंगे एवं अन्य लोग उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा के सेवा करने वाले साहित्यकारों का सम्मान किया जाएगा, जिनमें विजय मिश्रा 'अमित, सुमन शर्मा बाजपेयी, चंद्रहास साहू धमतरी के नाम हैं। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा प्रकाशित 8 छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों के किताबों का भी विमोचन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल होंगे। विशेष अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक अनुज शर्मा, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, विवेक आचार्य, संचालक, संस्कृति एवं राजभाषा एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र होंगे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. अभिलाषा बेहार, सचिव छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा तथा अध्यक्षीय भाषण आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा द्वारा दिया जाएगा।

बिरगांव नगर निगम का आज घेराव करेगी आप

रायपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा जिले में जल संकट को देखते हुए आज धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी सदस्य बिरगांव के वार्ड-32 में इकठ्ठा होकर नगर निगम ऑफिस के सामने प्रदर्शन कर निगम आयुक्त को ज्ञापन देंगे। पार्टी ने कहा, शहर के कई इलाकों में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरसने को मजबूर हैं। शहर के अनेक इलाकों में लगातार जल स्तर गिर रहा है, अनेक वार्डों में रोजाना पानी के लिए लोग तरस रहे हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि टैंकर पहुंचते ही लोगों की भीड़ उस पर टूट पड़ती है।

रायपुर जेल में पायलट प्रोजेक्ट, प्रदेश के अन्य जेलों में भी शुरू होगी सुविधा

सेंट्रल जेल में कैद महिला बंदी परिजनों से वीडियो कॉल से कर सकेंगी बातचीत

मदर्स डे के अवसर पर रायपुर सेंट्रल जेल प्रशासन ने रविवार को महिला बंदियों को बड़ी सौगात देते हुए प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग सुविधा शुरू की है। यह सुविधा गृहमंत्री विजय शर्मा की पहल पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर सेंट्रल जेल में शुरू की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जल्द ही यह सुविधा राज्य की चार सेंट्रल जेलों बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर और जगदलपुर में भी शुरू की जाएगी, इसके अलावा अन्य जिलों में ऑडियो कॉलिंग की सुविधा महिला बंदियों को दिए जाने पर विचार किया जा रहा है।

प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग के माध्यम से महिला बंदी अपने वकील, परिजनों से वीडियो कॉलिंग कर बातचीत कर सकेंगी। यह सिस्टम जेल विभाग एवं बीएसएनएल के मध्य संपादित हुए एमओयू के अंतर्गत शुरू किया गया है।

मदर्स डे के अवसर पर महिला बंदियों के साथ जेल में रह रहे 14 बच्चों को जेल विभाग की और से उपहार वितरित किए गए। साथ ही निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त 38 महिला कैदियों को कौशल प्रशिक्षण प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जेल डीजी हिमांशु गुप्ता, जेल सुपरिटेंडेंट योगेश सिंह क्षत्री सहित अन्य अफसर उपस्थित रहे।

बीएसएनएल से जेल विभाग ने किया है एमओयू

जेल प्रशासन की निगरानी में होगी बातचीत

महिला बंदियों को अपने परिजनों से बात करने जेल प्रशासन के पास पहले अर्जी देनी होगी। इसके बाद जेल प्रशासन द्वारा महिला बंदी को अपने परिजन से बातचीत करने के लिए समय तय किया जाएगा। जेल प्रशासन की निगरानी में महिला बंदी वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अपने परिजन तथा वकील से बातचीत कर सकेंगी। जेल परिसर के एक अलग कक्ष में महिला बंदियों के लिए वीडियो कॉलिंग से बातचीत करने सेट लगाया गया है।

महिला बंदियों से रोजाना मिलने आते हैं 25 से 30 परिजन

वर्तमान में रायपुर सेंट्रल जेल में 192 महिला बंदी कैद हैं। इन महिला बंदियों से मुलाकात के लिए नियमित 25 से 30 परिजन आते हैं। इसके अलावा 50 से ज्यादा वकील महिला बंदियों से मिलने के लिए आते रहते हैं। बंदियों से मुलाकात करने का समय 20 मिनट निर्धारित है। जेल में स्थिति ऐसी रहती है कि महिला बंदियों से उनके परिजन घंटों इंतजार करने के बाद भी नहीं मिल पाते। प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग सुविधा शुरू होने से महिला बंदियों के परिजनों को जेल के चक्कर काटने से राहत मिलेगी। साथ ही जेल परिसर में महिला बंदियों से मिलने आने वाले लोगों की संख्या कम होगी।

सुशासन तिहार के दस दिन, मांग और शिकायतें 1 लाख 38 हजार से अधिक

- प्रदेश में 10 जून तक चलाया जा रहा है सुशासन तिहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में 1 मई से शुरू हुए सुशासन तिहार के दस दिन बीतने के बाद अब तक 1 लाख 38 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। ये आवेदन मांगों और शिकायतों से संबंधित हैं। खास बात ये है कि सबसे अधिक आवेदन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित हैं। इसके बाद के क्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित आवेदन सामने आए हैं।

राज्य में सुशासन तिहार 10 जून तक चलने वाला है। इस अवधि में माना जा रहा है कि लाखों की संख्या में आवेदन सामने आ सकते हैं, जो मांग एवं शिकायतों से संबंधित हो सकते हैं। खास बात ये है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों से काफी अधिक आवेदन मिल रहे हैं। सरकार का दावा है कि आवेदनों का तेजी से निराकरण भी किया जा रहा है, लेकिन इस बीच 10 दिन तक चले अभियान के दौरान यह जानकारी सामने आ रही है कि किस विभाग से संबंधित आवेदन सबसे ज्यादा हैं।

सबसे अधिक और सबसे कम आवेदन इन विभागों के

सुशासन तिहार के दौरान 10 मई की स्थिति में जिन विभागों से संबंधित आवेदन सबसे अधिक आए हैं, उनमें पांच प्रमुख विभाग ये हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, ऊर्जा विभाग तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग। जिन विभागों से संबंधित सबसे कम आवेदन आए हैं, उनमें विधि एवं विधायी विभाग, संस्कृति विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आयाकट एवं पर्यटन विभाग शामिल हैं।

फसल के रकबे और प्रकार से तय होगी उर्वरक की मात्रा

अब किसानों को खाद के लिए कराना होगा पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस खरीफ सीजन से किसानों को सहकारी सोसाइटियों से खाद खरीदने के लिए भी पंजीयन कराना होगा। मोर जमीन मोर खाद नाम से संचालित छत्तीसगढ़ अन्नदाता उर्वरक वितरण पोर्टल के माध्यम से यह काम होगा। राज्य में यह व्यवस्था पहली बार लागू होने जा रही है। इससे पहले तक केवल पंजीकृत रकबे के आधार पर उर्वरक का वितरण किया जाता था।

- किसानों के लिए सरकार की योजना मोर जमीन मोर खाद
- एक सीजन में खाद नहीं उठा पाए तो अगले सीजन में मिल जाएगी

इस तरह काम करेगा नया सिस्टम

छत्तीसगढ़ अन्नदाता उर्वरक पोर्टल इस तरह काम करेगा। सबसे पहले इस सिस्टम में किसानों का पंजीयन किया जाएगा। यह पंजीकरण पोर्टल पर सिर्फ एक बार करना होगा। ऋणी किसान अपने क्षेत्र की सहकारी समिति या चॉइस सेंटर के माध्यम से यह पंजीयन करा सकते हैं। अऋणी किसानों केवल चॉइस सेंटर से ही पंजीयन करा पाएंगे। इसके लिए उन्हें आधारकार्ड और ई-केवाईसी अनिवार्य होगा।

जमीन और फसल की जानकारी

यह नया सिस्टम इस तरह से बनाया गया है कि किसान की जमीन का विवरण भुईयां पोर्टल और एग्रीस्टेक पोर्टल से अपने आप जुड़ जाएगा। इसके आधार पर ही खाद की मात्रा, किसान की फसल के प्रकार और जमीन के रकबे के आधार पर तय की जाएगी। अगर किसान अपनी फसल बदलता है तो इसी सूचना पोर्टल पर देनी होगी। इसका सत्यापन के 24 घंटे के भीतर किए जाने का प्रावधान है। अगर किसान भूमिहीन या अधिया वाला है तो भूमि स्वामी द्वारा पोर्टल में दी गई जानकारी के आधार पर पंजीयन करा सकते हैं।

खाद खरीदने के लिए लगेगा टोकन

नई व्यवस्था का यह सबसे अहम हिस्सा ये है कि हर सीजन चाहे वह खरीफ हो या रबी, खाद उठाने के लिए किसानों को पोर्टल पर आवेदन कर डिजिटल टोकन हासिल करना होगा। टोकन में किसान की आईडी, फसल, खाद का प्रकार, और मात्रा की जानकारी होगी। यह टोकन किसान के मोबाइल पर एसएमएस या मोबाइल एप के जरिए मिलेगा। किसान अपनी पसंद की दुकान रिटेलर और खरीदने का समय चुन सकते हैं।

किसान कैसे करेंगे खाद की खरीदी

किसानों को इस सिस्टम से खाद खरीदने के लिए तय समय पर चुनी हुई दुकान पर जाकर अपना डिजिटल टोकन दिखाना होगा। दुकान पर पीओएस मशीन के माध्यम से किसान के अंगूठे का निशान लेकर उसकी पहचान सुनिश्चित की जाएगी। मशीन पर किसान को खाद की कुल पात्रता, पहले खरीदी गई मात्रा और बची हुई मात्रा दिखाई देगी। खाद लेने के बाद किसान का रिकार्ड और बची हुई खाद की मात्रा तुरंत पोर्टल पर अपडेट हो जाएगी।

इस बात का रखना होगा खास ख्याल

इस सिस्टम में किसानों को याद रखने वाली खास बात ये है कि सरकार का दावा है कि यह खाद वितरण पूरी तरह पारदर्शी है, जिससे खाद की कालाबाजारी पर पूरी तरह अंकुश लग सकेगा। अगर किसान किसी सीजन में खाद नहीं ले पाए तो बची हुई मात्रा अगले सीजन में जोड़ी जा सकेगी। इस सिस्टम में किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत आने पर पोर्टल के हेल्प डेस्क और कॉल सेंटर की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

भाजपा का जिलों में प्रशिक्षण वर्ग आज से शुरू होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन का प्रदेश के 36 संगठन जिलों में सोमवार से प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ होगा। यह इस माह के अंत तक चलेगा। राजधानी रायपुर में 29 और 30 को प्रशिक्षण वर्ग होगा। दो दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में जहां प्रदेश के 11 दिग्गज विशेषज्ञ अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण देने जाएंगे और भाजपा की रीति-नीति के बारे में बताएंगे, वहीं प्रशिक्षण वर्ग के जिलों के प्रभारियों को वहां पर दो दिनों तक रहना जरूरी होगा। भाजपा का राष्ट्रीय संगठन देश के हर राज्य में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित कर रहा है। राज्यों में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करने से पहले मुंबई में एक राष्ट्रीय वर्ग का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया था। इसमें हर राज्य के प्रमुख पदाधिकारियों को बुलाकर वहां पर प्रशिक्षण दिया गया था। अब राज्यों के यही मास्टर ट्रेनर अपने-अपने राज्य में प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं।

पहले मंडल, अब जिलों में प्रशिक्षण

प्रदेश भाजपा संगठन ने पहले चरण में अपने 479 मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग चलाया। अप्रैल में मंडलों का प्रशिक्षण वर्ग समाप्त होने के बाद जिलों के प्रशिक्षण वर्ग को लेकर रणनीति तैयार की गई है। मंडलों में सात विषयों पर प्रशिक्षण वर्ग हुआ था। अब जिलों में 11 विषयों में प्रशिक्षण वर्ग होगा। इनके लिए अलग-अलग वक्ता जाएंगे। जो विषय विशेषज्ञ हैं, उनमें क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, नवीन मार्कंडेय, सांसद संतोष पांडेय, संदीप शर्मा, अवधेश जैन सहित और कई वक्ता हैं। ये ही जिलों में जाकर अपने विषयों पर प्रशिक्षण देंगे। हर जिले के प्रशिक्षण वर्ग के लिए प्रभारी भी बनाए गए हैं। प्रभारियों को वहां पर पूरे प्रशिक्षण वर्ग का जिम्मा संभालना है तो उनके लिए जिलों में रात को रूकना भी होगा। पहले इसके लिए 5 से 20 मई की तिथि तय की गई थी, लेकिन अब इसको बदलकर 11 से 30 मई किया गया है।

केंद्र के समान लंबित महंगाई भत्ते की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य सरकार ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का आदेश जारी किया है। वहीं राज्य सरकार के अन्य विभाग, कर्मचारी एवं पेंशनर डीए, डीआर से वंचित हैं। यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव है।

छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष एवं फेडरेशन के महासचिव चंद्रशेखर तिवारी, प्रांतीय प्रवक्ता पंकज पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, राज्य सरकार ने बिजली विभाग के कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए केंद्रीय कर्मचारियों के समान देय तिथि 1 जनवरी से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी कर दिया है। वहीं राज्य के अन्य कर्मचारी, अधिकारी एवं पेंशनरों को लंबित महंगाई भत्ते से वंचित रखा गया है। यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव है। ज्ञात हो कि वर्तमान सरकार द्वारा राज्य कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता एवं लंबित एरियर्स देने मोदी की गारंटी के रूप में लागू करने अपने घोषणापत्र में शामिल किया गया था। उसके बावजूद इसे लागू नहीं किया गया है, जिसके कारण कर्मचारियों में निराशा एवं आक्रोश है। संघ के प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा, संघ ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य के कर्मचारी अधिकारी, पेंशनरों के लंबित डीए जारी करने की मांग की है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

चार स्तरीय समयमान वेतनमान का संशोधित आदेश तत्काल जारी करने की मांग

छत्तीसगढ़ शासकीय स्नातक अभियंता संघ ने चार स्तरीय समयमान-वेतनमान का संशोधित आदेश तत्काल जारी करने की मांग की है। इस संबंध में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। संघ के प्रांताध्यक्ष अशोक श्रीवास ने बताया कि प्रदेश शासन द्वारा उप अभियंता संवर्गों द्वारा 4 स्तरीय समयमान वेतनमान की मांग को स्वीकृति प्रदान की गई है, पर कुछ तकनीकि त्रुटि के कारण 3 दशक से अधिक समय शासन की सेवा करने के बाद भी इस वेतनमान से उपअभियंता संवर्ग वंचित है। तकनीकि त्रुटि का जिक्र करते हुए कहा गया है, पहली प्रशासनिक त्रुटि यह है कि उपअभियंता संवर्गों को नियुक्ति के समय के वेतनमान को समयमान-वेतनमान की गणना के कारण 30 वर्षों से अधिक सवंर्गों को चार स्तरीय समयमान वेतन का लाभ नहीं मिल रहा है। इसे देखते हुए संशोधित आदेश तत्काल जारी करने की मांग की गई है।

भाजपा कार्यालय में उत्कृष्ट प्रवासी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

बंगाल-असम में चुनाव का जिम्मा संभालने वाले नेता सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में रविवार को एक बैठक करके पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में जिम्मा संभालने वाले भाजपा नेताओं का सम्मान किया गया।

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा, इस बार के चुनावों में विभिन्न राज्यों से आए प्रवासी कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल के दुर्गम क्षेत्रों और असम के चाय बागानों से लेकर मैदानी इलाकों तक में पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाया। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए धन्यवाद देते हुए कहा गया, बूथ जीता, चुनाव जीता के मंत्र को प्रवासी कार्यकर्ताओं ने धरातल पर उतारा। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान की। बैठक में कार्यकर्ताओं ने चुनाव के दौरान आए जमीनी अनुभवों और मतदाताओं के फीडबैक को साझा किया, जिसे भविष्य के संगठनात्मक कार्यों के लिए संकलित किया जाएगा।

संकल्प जन-जन तक पहुंचाने में किया जाएगा उपयोग

प्रवासी कार्यकर्ताओं का यह अनुभव केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका उपयोग आने वाले समय में संगठन के विस्तार और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में किया जाएगा। बैठक के अंत में चुनाव के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, यशवंत जैन, कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा, गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल सहित प्रदेश पदाधिकारी व विभिन्न मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मेडिटेशन से एकाग्रता बढ़ाने की बताई तरकीब

रायपुर। राजधानी के वीआईपी रोड स्थित आश्रम में दो दिवसीय महिला योग साधना सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित शिविर में प्रतिभागियों को मेडिटेशन से एकाग्रता बढ़ाने की तरकीब बताई गई। सहज व सरल तरीके से मन को शांत रखने के उपाय भी बताए गए। दो दिवसीय महिला योग साधना सम्मेलन के तहत विशेष शिविर में योग, ध्यान एवं जप के साथ-साथ प्रतिभागियों के लिए रोचक एवं प्रेरणादायक खेलों का भी आयोजन किया गया। साधकों ने ध्यान के माध्यम से यह सिखाया कि मन को शांत रखने किस तरह के प्रयास किए जाएं। किसी लक्ष्य को प्राप्त करने एकाग्र होकर साधना करने पर जोर दिया गया। शिविर में त्रिकाल संध्या की महिमा पर विशेष प्रकाश डाला गया, जिसमें बताया गया कि नियमित रूप से सुबह, दोपहर एवं संध्या के समय साधना करने से जीवन में सकारात्मकता, शांति एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। रविवार को सामूहिक माला पूजन का कार्यक्रम रहा। यह कार्यक्रम वैदिक विधि से किया गया।

साय सरकार में छोटे-छोटे कार्यों के लिए आमजनों को भटकना पड़ रहा

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, सुशासन का दंभ भरने वाली साय सरकार के राज में आम आदमी छोटे-छोटे काम के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर काटने को मजबूर हैं। पटवारी कार्यालय से लेकर तहसील दफ्तरों में लोगों के नामांतरण, फौत, त्रुटि सुधार के लाखों आवेदन लंबित है, लोगों के काम नहीं हो रहे, आम आदमी सरकारी दफ्तर के चक्कर काटने को मजबूर है। बेहद दुर्भाग्यजनक है कि लाखों लोगों को सरकार के पास सड़क, नाली, बिजली, पानी जैसे रोजमर्रा के कामों के लिए आवेदन लेकर भटकना पड़ता है। उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश में सारी व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। अब तक 135 लाख करोड़ का कर्ज लिया जा चुका है। बिजली कटौती, पेयजल की समस्या, शिक्षकों की कमी, युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं, व्यापारी अनियमित जीएसटी से परेशान हैं। प्रदेश में मात्र 33 प्रतिशत स्टील उद्योग चल रहे हैं। बाकी महंगी बिजली एवं प्रशासनिक अराजकता के चलते बंद हो गए हैं।

निधन

संतोष कुमार सोनी

रायपुर। सत्यनारायण मंदिर के बाजू ब्राह्मण पारा निवासी संतोष कुमार सोनी (61) का 10 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 11 मई को सुबह 10 बजे निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे स्व. जागेश्वर प्रसाद सोनी के पुत्र, विनोद, प्रमोद सोनी के भाई और रिंकी, अंजली, पूजा, लाली के पिता थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार, उप तहसील सारागांव जिला - रायपुर छ.ग.

रा. प्र.क्र. / अ-27 वर्ष 2026
ग्राम - सिलयारी, प.ह.न. 07
रा.नि.म. रायपुर 20 सिलयारी कुरूद
सारागांव दिनांक 05/05 / 2026

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिव कुमार लहरी पिता स्व. फगुवा लहरी निवासी ग्राम सिलयारी तह. धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. द्वारा खाता विभाजन हेतु आवेदन प्रस्तुत कर उल्लेख किया है कि वाके मौजा सिलयारी प.ह.न. 07, रा.नि.म. रायपुर 20 सिलयारी कुरूद, जिला रायपुर स्थित भूमि जिसका खसरा क्र. 468/22, 470/9, 477/2 रकबा क्रमशः 0.1460, 0.5060, 0.2790 हे. कुल खसरा 03 कुल रकबा 0.9310 हे. भूमि संजय कुमार, उमेन्द्र कुमार, मोहनीबाई सभी पिता प्रकाश, शिवकुमार, ईश्वरी, महेश्वरी सभी पिता फगुवा के नाम पर संयुक्त रूप से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि को आवेदक एवं सहखातेदारों द्वारा आपसी सहमति से अपने हिस्से की भूमि का बंटवारा कराकर बतौर भूमिस्वामी राजस्व अभिलेख में अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

उक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में नियत पेशी दिनांक 22/05/2026 को उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है नियत पेशी दिनांक के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/05/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
उपतहसील सारागांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

आईपीएल मैच ने बढ़ाया हवाई किराया, रायपुर से टेकऑफ होने वाली फ्लाइट्स का टिकट डेढ़ गुना तक महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले आईपीएल के 20-20 मैच का असर विमानों के किराए पर भी हुआ है। दिल्ली-मुंबई समेत विभिन्न शहरों के लिए रायपुर से टेकऑफ होने वाली फ्लाइट्स का टिकट डेढ़ गुना तक महंगा हो चुका है। यहां रविवार के बाद दूसरा मैच 13 मई बुधवार को खेला जाएगा। मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों की प्रदेश में आवाजाही बढ़ी हुई है।

नवा रायपुर के क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को आरसीबी-एमआई के बीच खेले गए मैच के दौरान दर्शक दीर्घा में स्थानीय के साथ महानगरों सहित अन्य शहरों से आए क्रिकेट प्रेमी भी मौजूद रहे। रविवार के बाद दूसरा मैच बुधवार को आरसीबी- केकेआर के बीच खेला जाएगा। इसे लेकर भी लोगों को रायपुर पहुंचने का दौर जारी है। क्रिकेट प्रेमियों की आवाजाही की वजह से विभिन्न शहरों से आने वाले विमानों का एयर फेयर भी बढ़ा हुआ है। विभिन्न शहरों से आने वाली फ्लाइट्स के साथ रायपुर से टेकऑफ होने विमानों का किराया इन दिनों सामान्य से काफी अधिक है। जिन शहरों के लिए रायपुर से एक से ज्यादा फ्लाइट संचालित होती है, उनका फेयर 8 से 12 हजार के बीच है। वहीं बेंगलुरु, पुणे जैसे शहर, जहां के लिए कम फ्लाइट चलती हैं, वहां का किराया भी काफी अधिक हो चुका है। वहीं तमाम महानगरों से छत्तीसगढ़ की राजधानी का सफर तय करने के लिए यात्रियों को काफी अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।

दिल्ली, मुंबई समेत कई शहरों से बढ़ी क्रिकेट प्रेमियों का आवाजाही

रोजाना आठ हजार से ज्यादा यात्री

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के माध्यम से प्रतिदिन आठ हजार से ज्यादा यात्री अपना सफर पूरा कर रहे हैं। यहां से प्रतिदिन 58 से 60 बार विमानों की आवाजाही हो रही है। इसके अलावा कुछेक विशेष फ्लाइट्स भी रायपुर में लैंड होने के साथ टेकऑफ हो रही हैं। समर शेड्यूल के दौरान रायपुर से आवाजाही करने वाली तीन फ्लाइट बढ़ी हैं।

जगदलपुर की फ्लाइट में यात्रियों का टोटा

प्रदेश के भीतर रायपुर से जगदलपुर के बीच फ्लाइट का संचालन किया जा रहा है। सप्ताह में तीन दिन उड़ान भरने वाली इस फ्लाइट में यात्रियों की संख्या बेहद कम है। इसके पहले अंबिकापुर-बिलासपुर-रायपुर को जोड़ने एक फ्लाइट का संचालन किया गया था, जो यात्रियों के अभाव में बंद हो चुकी है।

प्रदेश के 40 हजार हेक्टेयर में तालाबों का जलस्तर बनाए रखने की कवायद

तालाबों को भरने बांधों से छोड़ा जा रहा पानी
गंगरेल से 300 से ज्यादा तालाब लबालब

फाईल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच निस्तारी और मवेशियों के लिए पानी की किल्लत को दूर करने के लिए बांधों और नहरों से तालाबों को भरने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। प्रदेश के सभी प्रमुख जलाशयों में पानी की स्थिति को देखते हुए लगभग 40 हजार हेक्टेयर में तालाबों को भरने के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। गर्मी सीजन में गांवों में निस्तारी और मवेशियों के लिए पेयजल की समस्या गंभीर हो गई है। तालाबों का जलस्तर घटने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में महानदी वितरक नहरों के माध्यम से तालाबों तक पानी पहुंचने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल रही है।

- निस्तारी के लिए पानी छोड़े जा रहे हैं, पानी व्यर्थ न बहे, इसे लेकर भी निगरानी

गर्मी के इस मौसम में ग्रामीणों के निस्तारी के लिए इन दिनों गंगरेल बांध के पानी से जिले के धमतरी, कुरुद, नगरी ब्लाक के तालाबों को भरा जा रहा है। महानदी जलाशय परियोजना रुद्री से निस्तारी तालाबों को भरने का क्रम लगभग माह भर से चल रहा है। जानकारी के अनुसार जिले के 197 गांवों में कुल 341 चिन्हांकित तालाबों को नहरों के माध्यम से भरने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से अब तक 313 तालाबों को भरा जा चुका है। महानदी जलाशय परियोजना के अंतर्गत केवल धमतरी ही नहीं बल्कि पड़ोसी जिले बालोद के गुरुर विकासखंड में भी तालाब को भरने के लिए पानी की आपूर्ति की जाती है। महानदी वितरक नहर के माध्यम से गुरुर विकासखंड के चार गांवों में तालाब भरने का कार्य किया गया। यहां कुल नौ तालाबों को भरने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसे विभाग ने शत-प्रतिशत पूरा कर लिया है। अब चारों गांवों के सभी नौ तालाब पूरी तरह भर चुके हैं।

मई माह में भरे गए इतने तालाब

सिंचाई विभाग के अनुसार, धमतरी जिले में अब तक 310 तालाबों को भरा जा चुका है। शेष तालाबों को भी चरणबद्ध तरीके से भरने की कार्रवाई जारी है। महानदी जलाशय परियोजना रुद्री संभाग से मिली जानकारी अनुसार, धमतरी ब्लॉक के 46 गांव में से 81 तालाब को भरने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 68 तालाब भरे जा चुके हैं। इसी तरह से कुरुद ब्लाक के 185 गांवों में 188 तालाब भरे गए हैं। नगरी ब्लाक के 46 गांवों में 75 तालाब को भरने का लक्ष्य रखा गया है, इनमें 62 तालाब भरे जा चुके हैं।

बलौदाबाजार जिले में भरे गए 570 तालाब

महानदी जलाशय परियोजना से नहरों के माध्यम से अब तक 570 से अधिक तालाबों में पानी भरा जा चुका है। बलौदाबाजार जिले के 384 गांवों के कुल 683 तालाबों को भरने का लक्ष्य है, जिसमें से शेष तालाबों में भी पानी भरने का काम जारी है।

107 गांवों को मिली राहत

इधर बिलासपुर जिले में निस्तारी के लिए खूंटाघाट बांध से पानी छोड़े जाने के बाद 211 तालाबों में पानी भरा गया है, जिससे 107 गांवों को राहत मिली है। तालाबों का जलस्तर घटने से ग्रामीणों और मवेशियों को हो रही परेशानी को कम करना और भू-जल स्तर को सुधारना।

पुरानी बस्ती में धूमधाम से मनाया उर्स पाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हर साल की तरह इस साल भी हजरत सैय्यद खाकी शाह रहमतुल्ला आलय का 60वां उर्स पाक पुरानी बस्ती थाने के सामने 3 दिवसीय बड़ी ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। पहले दिन संदल व चादर खादिमे आस्ताना सैय्यद जावेद अली, सैय्यद परवेज अली के निवास मदरबाड़ा से निकलकर शहर की गश्त करता हुआ मजार शरीफ पहुंचा, जहां पर संदल व चादर पेश की गई और फातिहा एवं दुआ मांगी गई। इस उर्स पाक की खासियत है कि हर समाज एवं धर्म के लोग बड़ी संख्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और उर्स पाक को बखूबी निभाते आ रहे हैं। इस मौके पर लंगर (खाना) में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। यह जानकारी सीरतुन्नबी कमेटी के मीडिया प्रभारी शेख शकील ने देते हुए बताया कि उर्स पाक में सीरतुन्नबी कमेटी के सदर सोहेल सेठी, मो. फारूक, शेख शकील, मो. मुख्तार, हसन, शेख जावेद, अज्जू भाई, फिरोज खान, गुड्डा सेठी, मुजफ्फर खान, युनूस खान, अजीज मामदानी, डॉ. आदिल आदि अनेक लोग शामिल थे।

हज यात्रियों का किया सम्मान

रायपुर। डायमंड पाटा ग्रुप सदर बाजार ओर से हज यात्रियों का सम्मान किया गया। इसमें प्रमुख रूप से कमल भंसाली, गज्जू भैया, जसबीर सलूजा, अशोक निमानी, अनिल भाई शमीम भाई और हेमू चोपड़ा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पेज 9 के शेष

वेंटिलेटर पर महाराजबंध तालाब...

का सीवरेज ट्रीटमेंट लगाने पुणे की समृद्धि एजेंसी को ठेका दिया, अनुबंधित एजेंसी 3 साल बाद भी एसटीपी शुरू नहीं करा पाई। इसके कारण महाराजबंद तालाब एक सिरे से सूखने लगा है, वहां पानी की जगह दलदल और प्लास्टिक, थर्मोकोल के टुकड़े, डिस्पोजल गिलास, पानी पाउच सहित अन्य तरह की गंदगी का ढेर लगा है। तालाब का पानी दूषित होने से उसमें से बदबू आने लगी है, जबकि इसी तालाब के पानी से शहर के 5 वार्डों की निस्तारी होती रही है। तालाब की दशा सुधारने न तो क्षेत्र के सांसद, न विधायक और न ही शहर की महापौर ध्यान दे रहीं। निगम प्रशासन को भी इस तालाब के संरक्षण की कोई चिंता नहीं है। ऐसे में तालाब में रहने वाले जलीय जीवों का अस्तित्व पर संकट बना हुआ है। एक तरफ जहां शहर के 15 वार्डों में पेयजल संकट की स्थिति बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर राजधानी के ऐतिहासिक व प्राचीन महाराजबंद तालाब की अनदेखी के कारण तालाब बदहाली का शिकार है। तालाब में नाले का गंदा पानी सीधे जा रहा है, इसे तालाब में जाने से रोकने नगर निगम द्वारा 10 करोड़ खर्च कर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण करवाया गया, पर एसटीपी शुरू नहीं होने से गंदे पानी का उपचार शुरू नहीं हो पाया है। सीवरेज का गंदा व बदबूदार पानी तालाब में मिलने से तालाब का एक बड़ा क्षेत्र दूषित हो चला है।

तालाब का पानी दूषित नहावन के...

अरसे से होते रही है, वहीं पारंपरिक तालाब प्रदूषित होने से किसी की मृत्यु होने पर नहावन की रस्म के समय पानी टैंकर मंगाकर देने की नौबत आ रही है। पहले टेड़गी मंदिर के पास वाले घाट में लोग बरसों से तालाब के पानी का उपयोग इस कार्य के लिए करते आए हैं। यही नहीं तालाब का पानी पहले इतना साफ रहता था कि घरेलू उपयोग में भी इसका उपयोग लोग करते थे। तालाब का जलस्तर तेजी से कम होने के कारण आसपास के कई कालोनियों के बोरवेल के जलस्तर भी प्रभावित हुआ है। महापौर मीनल चौबे, तत्कालीन निगम आयुक्त को भी इससे अवगत कराया है, पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

ऐतिहासिक बिल्डिंग पांच...

लेकिन तब से लेकर अब तक यह जमीन बिना किसी उपयोग के खाली पड़ी है। पिछले 6 साल में यह तय नहीं हो पाया कि आखिर इस जमीन का उपयोग क्या है? पेश है एक रिपोर्ट

ढेबर के कार्यकाल में पीपीपी मोड पर प्रोजेक्ट, विरोध के बाद प्लान फिस्स: पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने मालवीय रोड स्थित निगम मुख्यालय की बेशकीमती जमीन पर कमर्शियल कांप्लेक्स बनाने और निगम की आय में बढ़ोतरी के मकसद से पीपीपी मोड पर काम करने की योजना बनाई। उनका कंसेप्ट रहा कि यह शहर का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है, इसलिए इस बेशकीमती जमीन पर स्मार्ट कांप्लेक्स बनना चाहिए। हालांकि शहर के इतिहासकारों व वरिष्ठ नागरिकों की इस बात पर सहमति नहीं रही। उनका यह कहना था कि 1867 से शहर की सरकार की गवाह रही इस जगह को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए। विरोध के बाद इस योजना को रद्द करना पड़ा।

ऐतिहासिक स्थल बनाने की...

बनाई। पर तत्कालीन सरकार से इस प्लान को एप्रूवल नहीं मिला। उस समय यह जगह खाली नहीं थी। मेरे विचार से इस जगह को पीपीपी मोड पर देना चाहिए। क्योंकि नगर निगम यदि इस जगह के लिए टेंडर यहां व्यवसायिक निर्माण कराता है तो बाद में दुकानों को बेचने की दिक्कत आएगी। अग्रसेन चौक के मंगलम भवन में बनाई गई दुकानों को 10 बार टेंडर होने के बाद भी लेवाल नहीं आए। चूंकि मालवीय रोड का यह व्यवसायिक इलाका है और रविभवन भी बस गया इसके पेरेलल पीपीपी मोड पर प्रोजेक्ट लाएं तो इससे नगर निगम की रेवेन्यू बढ़ेगी। बेशकीमती जमीन का उपयोग करना चाहिए।

पूछेंगे तब बताऊंगा क्या...

यह तय नहीं हो पाया। 5 साल एक का कार्यकाल बीत गया, अब दूसरे का एक साल पूरा हो गया। अभी तक तो तय नहीं हो पाया, मुझसे पूछेंगे, तब बताऊंगा, क्या बनाया जाए?

पांचमंजिला ईमारत बनाई...

बंजारी मार्केट, मालवीय रोड इससे कनेक्ट हैं, इसलिए पीपीपी मोड पर प्रोजेक्ट लाना बेहतर होगा।

रायपुर स्मार्ट सिटी ने बनाई...

सांस्कृतिक केंद्र और कुछ हिस्से में स्मार्ट पार्किंग का निर्माण करने की योजना रही, पर यह योजना फाइलों में दबकर रह गई। इस पर आगे काम नहीं हो पाया।

पुराने निगम मुख्यालय...

बरार नगरपालिका अधिनियम 1922 के अधीन 1925-26 में पुनर्गठित किया गया। नगरपालिका से संबंधित कानूनों में संशोधन, बेहतर संगठन तथा प्रशासनिक व्यवस्था के लिए 1967 में नया अधिनियम तैयार किया गया। इसके बाद नगरपालिका समिति रायपुर का प्रशासन इस अधिनियम के उपबंधों के तहत चलाया गया। सूत्रों के मुताबिक, नई समिति में 26 सदस्य थे, इनमें 19 निर्वाचित, 2 चयनित किए गए पदेन तथा 4 नाम निर्दिष्ट सदस्य थे। परिषद में एक शासकीय अध्यक्ष का निर्वाचन किया गया। सन 1967 में राज्य शासन ने मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम संशोधन अध्यादेश 1967 लागू किया। इस अध्यादेश को रायपुर शहर में लागू किया गया। फलस्वरूप रायपुर नगर पालिका परिषद 26 अगस्त 1967 से रायपुर नगर निगम के रूप में बदल गई। नगरपालिका से निगम तक का इतिहास पुराने निगम मुख्यालय की इसी जगह बनाई गई ऐतिहासिक बिल्डिंग की याद दिलाता है। नई बिल्डिंग बनने के बाद निगम मुख्यालय भव्य व्हाउट हाउस में शिफ्ट हो गया। बाद में इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी सदन किया गया।

इलाज के लिए नहीं जाना ...

इलाज के लिए अनावश्यक सफर करना होगा। इसकी वजह से नवा रायपुर में बसने वाली आबादी को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। इस आपत्ति के बाद नई जमीन की तलाश राखी में ही पूरी हो गई। जल्द ही प्रक्रिया पूरी करने के बाद जमीन स्वास्थ्य विभाग को आवंटित की जाएगी। इसके बाद विभाग सीजीएमएससी के माध्यम से निर्माण का कार्य शुरू कराएगा।

आंधी-तूफान के दूसरे दिन ...

गंदगी और कूड़ा बहकर जमा होने तथा समय पर सफाई नहीं होने से शहर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित रही। नालियों की सफाई करने नगर निगम के कर्मचारी कई इलाकों में नहीं पहुंचे। यही नहीं, कई इलाकों में लोगों के घरों, दुकानों से कचरा नहीं उठा। इसका प्रमुख कारण डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने वाली गाड़ियां ज्यादातर मार्गों पर चली नहीं। वेतन भुगतान में विलंब से नाराज रामकी के सफाई कर्मचारियों ने कचरा कलेक्शन कार्य का बहिष्कार किया। बिना जानकारी के कई वार्डों में सफाई वाहन नहीं आने से लोगों को परेशानी हुई। वे घरों के सामने डिब्बों में कचरा लेकर सफाई वाहन के आने का इंतजार करते रहे।

प्रदेशभर में कमजोर फीडरों ...

बात है। जिस तरह से इनका आना आम बात है, उसी तरह से मौसम के बदलते ही बिजली का जाना भी आम बात है। इसमें संदेह नहीं है कि मौसम की मार से बिजली प्रभावित होती है, लेकिन प्रदेश में थोक में ऐसे फीडरों की कमी नहीं है, जो मौसम की हल्की-सी मार भी नहीं झेल पाते हैं।

भारतमाला एक्सप्रेस-वे सिक्सलेन बाईपास का निर्माण पूरा होने के बाद बंद होगा कुम्हारी टोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कुम्हारी टोल प्लाजा जून 2026 से पूरी तरह बंद किए जाने की संभावना है। यह निर्णय दुर्ग-रायपुर-आरंग के बीच सिक्सलेन बाईपास का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लागू होगा। टोल प्लाजा बंद होने से यात्रियों को समय और ईंधन की बचत के साथ जाम से बड़ी राहत मिलेगी। पिछले कई सालों से इसे बंद करने के संबंध में लगातार मांग की जा रही थी। अब भारतमाला प्रोजेक्ट का काम प्रगति पर है, उसके पूर्ण होने के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा।

- केंद्रीय मंत्री पूर्व में दे चुके हैं स्वीकृति, जून माह से बंद करने की संभावना

रायपुर के लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर टोल बंद करने की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री ने इस टोल प्लाजा को बंद करने की स्वीकृति दी है। बताया जाता है कि भारतमाला एक्सप्रेस-वे के तहत सिक्सलेन बाईपास का निर्माण पूरा होने के बाद ही यह स्थिति बनेगी। जब तक टोल बंद नहीं होता, तब तक के लिए वहां व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। बताया जाता है कि 1 अप्रैल से कुम्हारी ब्रिज की मरम्मत के कारण भी ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है, लेकिन मुख्य टोल प्लाजा जून 2026 से खत्म होने की संभावना है। बताया गया है कि मार्च के बाद किसी भी नए टेंडर पर रोक लगाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं।

इस कारण लगातार विरोध

दुर्ग-रायपुर नेशनल हाईवे पर स्थित कुम्हारी टोल प्लाजा बंद करने की मांग पिछले कई वर्षों से की जा रही है। बताया गया है कि यह टोल प्लाजा 2015 से अपनी समयसीमा खत्म होने के बावजूद अवैध रूप से संचालित है। बताया जाता है कि 60 किलोमीटर के दायरे में चार टोल प्लाजा पड़ते हैं। इनमें रायपुर, कुम्हारी, दुर्ग, राजनादगांव शामिल हैं। टोल के कारण हर दिन रायपुर-भिलाई मार्ग पर लंबा जाम लगता है। पूर्व में निजी ठेके पर इसका संचालन होता रहा। अब एनएचएआई द्वारा ठेके पर चलाए जाने की जानकारी आ रही है। केंद्रीय मंत्री द्वारा इसे बंद करने की की घोषणा के बाद अब एनएचएआई द्वारा आगे ठेका नहीं दिया जा रहा है।

एक्सप्रेस-वे के शुभारंभ का इंतजार

उल्लेखनीय है कि भारतमाला एक्सप्रेस-वे का निर्माण तेजी से चल रहा है। माह अक्टूबर से इसके शुरू होने की संभावना है। इससे रायपुर को एक नए आधुनिक एक्सप्रेस-वे की सौगात मिलेगी, जिससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि औद्योगिक, आर्थिक और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा यह सिक्सलेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर न केवल दूरियों को कम करेगा, बल्कि बस्तर के स्थानीय उत्पादों को सीधे अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुंच प्रदान कर लैंड-लॉक्ड क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करेगा। बताया जाता है कि एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। कई स्थानों पर निर्माण कार्य बारिश के पहले पूरा किया जाना है।

सिंधी काउंसिल महिला विंग ने मनाया मदर्स-डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई महिला विंग एवं मोमी सर्कल रायपुर द्वारा मैग्नेटो मॉल में मदर्स डे उत्सव मनाया गया, जिसमें राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि मैं भी एक मां हूं और समझ सकती हूं, कितनी तकलीफ से माता अपने बच्चों की परवरिश करती है। में आज गर्व महसूस करती हूं, जिसने मुझे जन्म दिया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि एक हजार से ज्यादा महिलाओं ने मदर्स डे उत्सव मनाया। पूजा कुकरेजा द्वारा रैंप वॉक कराया गया, जुम्बा हर्षा पंजवानी द्वारा कराया गया। इस अवसर पर सिंधी काउंसिल महिला विंग अध्यक्ष काजल सचदेव, लक्ष्मी बजाज चंचलानी, नीता कुकरेजा, हर्षा रहेजा, मोमी सर्कल से पूजा जयसिंह गुप्ता, शेरिन दमानी, मैग्नेटो मॉल की आभा एवं सिंधी काउंसिल की पूरी टीम की सक्रिय भागीदारी रही।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

अखंड ब्राह्मण समाजसेवा समिति की बैठक

रायपुर। सुंदर नगर स्थित प्रदेश कार्यालय ओम सोसाइटी में गत दिनों अखंड ब्राह्मण समाजसेवा समिति की बैठक हुई। बैठक में संगठन विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से संगठन द्वारा आयोजित किए जाने वाले "प्रतिभा सम्मान समारोह" को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश अध्यक्ष योगेश तिवारी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति द्वारा जून माह में ब्राह्मण समाज के उन प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना एवं समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। बैठक में डॉ. एसके शर्मा, सुनीता तिवारी, शशांक खरे, राजकुमार व्यास, सविता वीरेंद्र शर्मा, मनोरमा त्रिपाठी, लक्की दुबे, साधना शुक्ला, अवधेश धर दीवान, प्रदीप मिश्रा, प्रतीक तिवारी, विमल ओझा, अनिल दुबे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए प्रभारी की सूची की जारी

रायपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देश पर भाजपा ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए अपने प्रभारियों की सूची जारी की। जारी सूची के मुताबिक, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव नगर पंचायत बम्हनीडीह जिला सक्ती के चुनाव प्रभारी होंगे। सूरजपुर जिले की नगर पंचायत शिवनंदनपुर के लिए जिला सहकारी बैंक बिलासपुर के अध्यक्ष रजनीश सिंह व नगर पंचायत पलारी जिला बालोद के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा व नगर पंचायत सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम के लिए अपेक्स बैंक के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

शंकर नगर में सुशासन तिहार का पहला शिविर आज

रायपुर। नगर निगम क्षेत्र में आम जनता की शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए सुशासन तिहार-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में पहला शिविर 11 मई को जोन-3 क्षेत्र के शंकरनगर स्थित सिंधु भवन बीटीआई मैदान में लगाया जाएगा। शिविर में नगर निगम के अलावा बिजली, राजस्व, स्वास्थ्य, खाद्य, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम, कृषि, समाज कल्याण समेत कई विभागों की टीम मौजूद रहेगी। लोग शिविर में पानी, सफाई, सड़क, स्ट्रीट लाइट, राशनकार्ड, पेंशन, श्रम कार्ड सहित अन्य योजनाओं से जुड़ी समस्याओं के संबंध में आवेदन दे सकेंगे। 11 मई को जनसमस्या निवारण शिविर में वार्ड 12, 29, 30, 31, 33, 47, 48 वार्ड के रहवासी जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक दे सकेंगे। अधिकारियों का दावा है कि शिविर में मिले आवेदनों का एक माह के भीतर निराकरण किया जाएगा। इसकी जानकारी सभी आवेदकों को दी जाएगी।

नए भवन में जल्द शिफ्ट होगा जोन-9 का दफ्तर, बिल्डिंग में कई सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

राजधानी के आउटर इलाके में स्थित मोवा के सामुदायिक भवन में संचालित जोन-9 दफ्तर जल्द ही नए भवन में शिफ्ट किया जाएगा। वीआईपी चौक के पास पाम ब्लाजियो के सामने नगर निगम जोन-9 का दोमंजिला नया दफ्तर बनकर तैयार है। इस दफ्तर के शुरू होने मोवा के रहवासियों के लिए सामुदायिक भवन सामाजिक एवं अन्य कार्यों के लिए उपलब्ध होने लगेगा। मोवा थाने के पास सामुदायिक भवन में संचालित जोन-9 दफ्तर परिसर में पार्किंग के लिए जगह नहीं होने से यहां आने-जाने वाली जनता, निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को अपनी गाड़ियों की पार्किंग सड़क किनारे करनी पड़ती थी, पर अब ऐसा नहीं होगा नए जोन दफ्तर में पार्किंग के लिए पर्याप्त स्पेस मिलेगा।

दरअसल नगर निगम के प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने जोन कार्यालयों के बुनियादी ढांचों पर ध्यान दिया जा रहा है। साल 2019 में जोन पुनर्गठन के बाद अस्तित्व में आए नगर निगम जोन कार्यालय के लिए भवन नहीं होने से यह मोवा के सामुदायिक भवन में संचालित होता रहा। नए भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ की स्वीकृति दी गई। स्वीकृति मिलने के बाद जोन-9 कमिश्नरी ने नए भवन निर्माण के लिए ऑनलाइन टेंडर वीआईपी चौक मे पाम ब्लाजियो के सामने 10 हजार वर्गफीट जमीन पर दोमंजिला जोन दफ्तर का निर्माण कराया। नया दोमंजिला यह भवन बनकर तैयार है, फिनिशिंग पूरी होते ही पुराने जोन दफ्तर की नए भवन में शिफ्टिंग का कार्य शुरू होगा। नए जोन दफ्तर वाले भवन में अलग विभाग के कर्मचारी, अधिकारी की बैठक व्यवस्था के लिए पर्याप्त स्पेस रखा गया। इसके साथ ही आम जनता की सुविधा के लिए पार्किंग व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त जगह सुरक्षित रखी गई है।

पार्किंग की जगह नहीं, इसलिए सड़क पर पार्किंग करना मजबूरी

- दोमंजिला जोन दफ्तर, पार्किंग के लिए पर्याप्त स्पेस, मीटिंग हॉल की सुविधा भी
- मोवा के सामुदायिक भवन में संचालित है जोन–9 का दफ्तर

नया भवन तैयार, शिफ्टिंग जल्द

पाम ब्लाजियो के पास जोन-9 कार्यालय के लिए नया भवन बनकर तैयार है। फिनिशिंग सहित अन्य छिटपुट कार्य चल रहा है। कार्य पूरा होने के बाद शिफ्टिंग की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।
राकेश शर्मा, कमिश्नर, जोन-9

पीएचसी-सीएचसी में मरीजों को मिल सकेगा बिना इंतजार के उपचार

दो शिफ्ट की ओपीडी फेल, अब हेल्थ सेंटरों में आठ घंटे की नो ब्रेक ड्यूटी पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेश के प्राथमिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में दी जाने वाली उपचार व्यवस्था को दुरुस्त करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत मरीजों को बिना इंतजार इलाज की सुविधा देने के लिए आठ घंटे की नो ब्रेक ड्यूटी का सिस्टम लागू करने की तैयारी की जा रही है। अभी कामगार मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुबह 9 से दोपहर 2 बजे और शाम 5 से 6 बजे तक ओपीडी की सुविधा दी जाती है जो कारगर साबित नहीं हो रही है।

सूत्रों के अनुसार अक्सर यह शिकायत सामने आती रहती है कि सुबह की ओपीडी के बाद प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की उपस्थिति नगण्य हो जाती है। दूसरी ओर यह बात सामने आती है कि शाम पांच बजे से शुरू होने वाली ओपीडी में मरीजों की संख्या ना के बराबर रहती है। इन सब बातों का ध्यान रखते हुए स्वास्थ्य केंद्रों में होने वाली ओपीडी में नो ब्रेक का सिस्टम लागू करने की योजना पर विचार किया जा रहा है।योजना के तहत सीएचसी-पीएचसी, हमर अस्पताल में सुबह 9 से शाम 5 बजे यानी आठ घंटे की नो ब्रेक ड्यूटी का सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे दोपहर में देर से आने वाले मरीजों को अपनी आवश्यकता के अनुसार डाक्टर और उपचार की सुविधा मिल सकेगी। दूसरी ओर शाम में ओपीडी की ड्यूटी के तनाव से डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ को भी मुक्ति मिल सकेगा।

अभी सुबह 9 से दोपहर 2 और शाम 5 से 6 बजे ओपीडी का सिस्टम

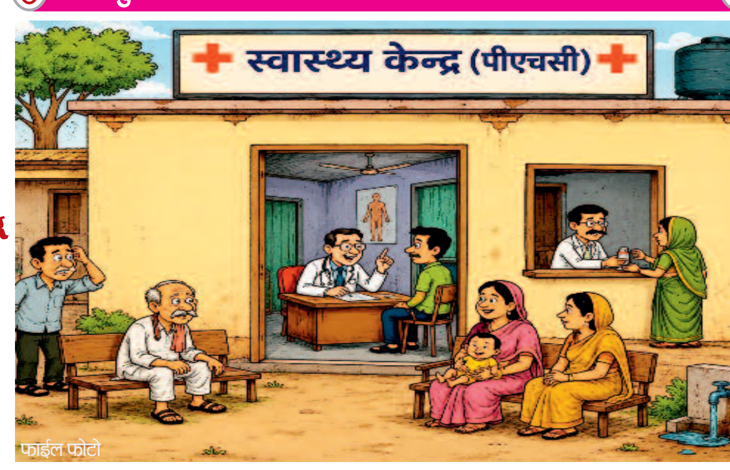

रोटेशन के आधार पर कर सकेंगे ड्यूटी

सूत्रों के अनुसार, नो ब्रेक ओपीडी का सिस्टम लागू करने के लिए डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ के लिए रोटेशन आधार पर ड्यूटी चार्ट लागू किया जाएगा। इसमें डाक्टरों के साथ अन्य चिकित्सकीय स्टाफ की ड्यूटी दो पालियों में लगाई जा सकेगी। स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अभी इस योजना पर प्रारंभिक तौर पर विचार किया जा रहा है। इसके बारे आला- अधिकारियों से चर्चा की जाएगी और उनसे अनुमति मिलने के बाद ही इस नो ब्रेक ओपीडी सिस्टम को लागू करने प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा को लेकर हो चुका प्रदर्शन

प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य सुविधा यानी पीएचसी-सीएचसी के अलावा जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधा की अव्यवस्था पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दो दिन पहले राजधानी रायपुर में प्रदर्शन किया। सीएमएचओ कार्यालय में किए गए इस प्रदर्शन के दौरान चिकित्सकीय स्टाफ की अनुपलब्धता, स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाईयों की कमी जैसा मामला उठाया था। उनके द्वारा स्वास्थ्य सेवा की बदहाली दूर करने वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन देने के साथ आंदोलन की चेतावनी भी दी गई थी।

जरूरी दवाओं का टोटा

स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी दवाओं की किल्लत की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। डॉग बाइट की बढ़ती शिकायतों के बाद सीएचसी में वैक्सीन लगाने की सुविधा दी गई है, मगर वहां पर्याप्त मात्रा में स्टॉक नहीं है। आने वाले मरीजों को वैक्सीन लगाने के बाद अगला डोज जिला अस्पताल अथवा आंबेडकर अस्पताल जाकर लगवाने की सलाह दी जाती है। अस्पतालों में टिटनेस की समस्या अभी भी बनी हुई है। जानकारों का कहना है कि दवा की डिमांड भेजने के बाद भी समय पर आपूर्ति नहीं होती।

नहीं बन पाए पूरे हमर क्लीनिक

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और लोगों को प्राथमिक उपचार की सुविधा दिलाने के लिए तमाम शहरी उप स्वास्थ्य केंद्रों को हमर क्लीनिक बनाने की योजना थी। पहली किश्त में मिली राशि से रायपुर जिले में 50 हमर क्लीनिक बनाए गए। इसके बाद इनकी संख्या बढ़ाने का काम पूरा नहीं हो पाया। हमर क्लीनिक के संचालन के लिए स्टाफ की व्यवस्था एनएचएम के माध्यम से की जाती है।

पेपर लीक मामले का मुख्य आरोपी बिलासपुर से गिरफ्तार

- कई अन्य मामलों में भी संलिप्त
- पुलिस से बचने डिजिटल साक्ष्य किए थे नष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कोतवाली थाने की पुलिस ने 12वीं परीक्षा हिंदी पेपर लीक मामले के फरार मुख्य आरोपी वेणु जंघेल को बिलासपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वेणु को चार दिन पूर्व गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल की और पूछताछ के बाद रविवार को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया है। पुलिस विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि सोशल मीडिया पर पेपर लीक की बात वायरल होने के उपरांत प्रकरण से जुड़े कई व्यक्तियों द्वारा डिजिटल फुटप्रिंट एवं महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को मिटाने का प्रयास किया जा रहा था। पुलिस टीम द्वारा साइबर तकनीकी की मदद से डिलीटेड डेटा, मोबाइल चैट्स, सोशल मीडिया गतिविधियों एवं फाइनेंशियल ट्रांजेक्शंस का विश्लेषण किया गया। 50 से अधिक छात्रों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की गई। तब पुलिस को पेपर लीक मामले में वेणु जंघेल के मुख्य आरोपी होने की जानकारी मिली। वेणु मूल रूप से बेमेतरा का रहने वाला है। फिलहाल वह रायपुर में रह रहा था।

तीन हजार रुपए में बेचा प्रश्नपत्र

पुलिस जांच में पता चला है कि वेणु प्रश्नपत्र लीक करने के बाद छात्रों को तीन हजार रुपए में प्रश्नपत्र की कॉपी बेच रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अपने डिजिटल साक्ष्यों को भी नष्ट करने का प्रयास कर रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त मध्य जोन द्वारा 5000 रुपए ईनाम की घोषणा भी की गई थी। प्रकरण में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की पुलिस जांच कर रही है। पेपर लीक प्रकरण से जुड़े अन्य आरोपियों को पुलिस आने वाले दिनों में गिरफ्तार करने की बात कह रही है।

प्रयास आवासीय विद्यालय परीक्षा में 47 अनुपस्थित

रायपुर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं के सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए परीक्षा रविवार को शासकीय प्रयास बालक आवासीय विद्यालय सड्डू में आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा के लिए 312 छात्रों ने पंजीयन कराया था। इसमें से 265 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि 47 ने परीक्षा छोड़ दी। उपायुक्त प्रज्ञान सेठ, उपायुक्त एलआर कुर्रे, डिप्टी कलेक्टर उत्तम रजक तथा सहायक आयुक्त शरतचंद्र शुक्ला ने परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्था का अवलोकन किया।

पुलिस की सतर्कता से मिली अपहृत बच्ची मदर्स डे के दिन परिजनों की लौटी मुस्कान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र से पांच दिन पूर्व अपहृत बच्ची को पुलिस ने गुजरात से सकुशल रेस्क्यू कर परिजनों के सुपुर्द किया है। बच्ची मजदूर परिवार की है। अज्ञात व्यक्ति बच्ची को खाने-पीने तथा घुमाने का का झांसा देकर अपने साथ रेलवे स्टेशन ले गया। इसके बाद बच्ची को एक ट्रेन में बैठाकर कहीं चला गया। बच्ची के गायब होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल पड़ताल शुरू कर उसकी पतासाजी की और रविवार को मदर्स डे के दिन बच्ची के परिजनों की खोई मुस्कान लौटाने का काम किया है।

अज्ञात व्यक्ति ने बच्ची को झांसा देकर ट्रेन में बैठा दिया था

रेस्क्यू करने विशेष टीम

बच्ची के गायब होने की सूचना मिलने के बाद उसकी सकुशल बरामदगी के लिए पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। पतासाजी करने पुलिस ने बच्ची के घर के आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की। बावजूद इसके बच्ची के नहीं मिलने पर पुलिस के सिपाही से लेकर सभी अफसर मोबाइल में बच्ची की फोटो लेकर अपने स्टेटस एवं विभिन्न राज्यों की पुलिस, जिनमें वे जुड़े हैं, मासूम बच्ची के गुम होने के संबंध में सूचना प्रसारित की।

अहमदाबाद पुलिस ने किया रेस्क्यू

पुलिस द्वारा 7 मई को सूचना प्रसारित करने के कुछ देर बाद ही गुजरात, अहमदाबाद के शाहीबाग थाने की पुलिस से रायपुर पुलिस को सूचना मिली कि बच्ची उनके पास है। दूसरे दिन पुलिस की एक टीम रवाना कर बच्ची को गुजरात से रेस्क्यू कर परिजनों के सुपुर्द किया। बताया जा रहा है, गुजरात की जीआरपी ने बच्ची को लावारिस हालत में ट्रेन से रेस्क्यू किया था।

शालावार प्रावीण्य सूची जारी

कई मेधावी छात्रों ने 90% से अधिक अंक हासिल किए

रायपुर। खमतराई स्थित शासकीय डब्लूआरएस नगर पालिक निगम उच्चतर माध्यमिक शाला में कई मेधावी छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं। अब विद्यालय ने शालावार प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले छात्रों के नाम जारी करते हुए उन्हें बधाई दी है। दसवीं कक्षा में जिज्ञासा पाल को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। उन्हें 95.16% अंक मिले। द्वितीय स्थान पर रही रामेश्वरी साहू को 90% तथा तीसरे स्थान पर रही लक्ष्मी वर्मा को 87.33% मिले हैं। इसी तरह से बारहवीं कक्षा में कला संकाय में मानसी साहिल 90.2% के साथ रही। द्वितीय स्थान पर वाणिज्य संकाय के दीपक यादव 87% के साथ तथा तृतीय स्थान पर चंदा शर्मा 86.8% अंकों के साथ रही।

उदंती से कब्जा छोड़ भागने लगे बेजा कब्जाधारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुआवजा पाने के लालच में यूएसटीआर के उदंती के कोर एरिया में 265 एकड़ वनभूमि पर बेजा कब्जा करने वाले 166 कब्जाधारियों की धमतरी जिला न्यायालय ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद कब्जाधारी कब्जा की गई वनभूमि छोड़कर भागने लगे हैं। इसके अलावा अपनी गिरफ्तारी की डर से बचते फिर रहे हैं। वन विभाग के अफसरों ने कब्जाधारियों को हर हाल में 22 मई तक कब्जाई गई वनभूमि खाली करने की हिदायत दी है। विभागीय अफसरों के मुताबिक, वर्ष 2009 में उदंती-सीतानदी को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। उस समय वनक्षेत्र से सटे क्षेत्रवासियों को लगा कि टाइगर रिजर्व घोषित होने के बाद उन्हें जमीन के बदले 15-15 लाख रुपए मुआवजा मिलेगा।

जिन लोगों ने कब्जा किया है राजस्व क्षेत्र में पहले से जमीन

जिन लोगों ने वनभूमि पर कब्जा किया है, विभागीय अधिकारियों ने पटवारी के माध्यम से उनकी राजस्व क्षेत्र में जमीन के बारे में जानकारी एकत्रित की है। उसके मुताबिक, उन लोगों की राजस्व क्षेत्र में कृषि के साथ आवासीय जमीन है। स्थानीय लोगों ने जंगल में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कर वनभूमि कब्जाने का काम किया था।

पौने छह सौ पेड़ों को घेरकर सुखाया

वन विभाग ने अपनी जांच में पाया कि कब्जा करने वालों लोगों ने संरक्षित कोर क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश कर लंबे समय तक वन संसाधनों को गंभीर नुकसान पहुंचाया। हाल ही में उन लोगों द्वारा पौने छह सौ से ज्यादा पेड़ों को घेरकर सुखाया गया, 237 पेड़ों को काटा गया तथा कुछ ठूंठों को जलाने के साक्ष्य मिले हैं। उपग्रह विश्लेषण के अनुसार, वर्ष 2011 से प्रारंभ हुआ अतिक्रमण 15 वर्षों में बढ़कर 265 एकड़ तक फैल गया। ऐसे लोगों को वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत 7 वर्ष तक के कारावास तथा प्रिवेंशन ऑफ डैमेज, पब्लिक प्रापर्टी एक्ट के तहत 5 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

वनभूमि में किया जाएगा जल संरक्षण

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के अनुसार, विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त 265 एकड़ वन भूमि में महानदी बेसिन क्षेत्र के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन हेतु व्यापक अभियान प्रारंभ किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 50 हजार जल संरक्षण संरचनाओं कंटूर ट्रेंच, कंटूर बंड, ब्रशवुड चेक डैम आदि का निर्माण श्रमदान के माध्यम से किया जाएगा।

बस स्टैंड के बजाय ट्रैवल्स ऑफिस में बैठकर बसों का इंतजार करते हैं यात्री

बस चालकों की मनमानी से 'बे-बस' हुआ ट्रैफिक अमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में बस चालकों की मनमानी और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन की खबरें आम हैं। बस चालकों की मनमानी के चलते भाठागांव स्थित इंटरस्टेट बस टर्मिनल से लेकर लालपुर तक लोगों को अकारण जाम में फंसना पड़ता है। रिंगरोड और नेशनल हाईवे पर बस चालक सवारी चढ़ाने-उतारने के लिए वाहन सड़क के बीच में खड़े कर देते हैं। इनके खिलाफ ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई भी करती है। कार्रवाई के कुछ दिनों तक स्थिति सामान्य रहती है, इसके बाद बस चालक पुराने ढर्रे पर उतर आते हैं। पचपेड़ीनाका से भाठागांव जाने वाले सर्विस रोड के दोनों तरफ पहले से सौ से ज्यादा कार वॉशिंग तथा ऑटोमैकेनिक की दुकान है। इसके चलते सर्विस रोड संकरी हो जाती है। इस स्थिति में सर्विस रोड में बस खड़ी कर सवारी उतारने-चढ़ाने से जाम की स्थिति निर्मित होती है। सुबह कार्यालयीन समय में रिंगरोड में सवारी उतारने चढ़ाने से लंबा जाम लग जाता है। सबसे ज्यादा लोगों को संतोषी नगर, रायपुरा, भाठागांव तथा कुशालपुर चौक के पास बस खड़ी होने से परेशानी का सामना करना पड़ता है।

रिंगरोड के साथ हाईवे पर गाड़ी खड़ी कर चढ़ा रहे सवारी

रोड किनारे ट्रैवल्स ऑफिस होने से भी रुकती हैं बसें

इंटरस्टेट बस टर्मिनल जाने वाले मार्ग के सर्विस रोड में कई बस ऑपरेटरों का ट्रैवल्स ऑफिस है। इस वजह से यात्री बस स्टैंड जाने के बजाय ट्रैवल्स ऑफिस में बैठकर बसों का इंतजार करते हैं। बस चालक यात्रियों को लेने बसों को अपने ट्रैवल्स ऑफिस के पास पार्क कर सवारी बैठाते हैं। इस वजह से भी सर्विस रोड में बस पार्क होने जाम की स्थिति निर्मित होती है।

सर्विस रोड के बाद हाईवे पर कब्जा

बस चालक रिंगरोड के साथ अब हाईवे पर भी मनमानी करने लगे हैं। बस चालक जहां सर्विस रोड, हाईवे से जुड़ता है, वहां बस खड़ी कर सवारी उतारने, चढ़ाने लगे हैं। इससे भी यातायात बुरी तरह से बाधित होता है। ऐसे सर्विस रोड जहां से हाईवे जुड़ता है। वहां बस खड़ी होने की जानकारी मिलने के बाद सवारी अपनी सुविधानुसार सर्विस रोड के किनारे खड़े होकर बस आने का इंतजार करने लगे हैं।

पचपेड़ीनाका के पास सबसे ज्यादा बुरा हाल

पचपेड़ीनाका ओवरब्रिज के नीचे ऑटो चालकों का जमावड़ा होने के साथ कई खाने-पीने के सामान बेचने की दुकान लगाते हैं। भाठागांव से धमतरी जाने वाली बसें पचपेड़ीनाका ब्रिज के नीचे से होकर गुजरती हैं। दुर्ग तथा धमतरी मार्ग पर चलने वाली बसों के चालक ब्रिज के नीचे बस पार्क कर सवारी उतारते, चढ़ाते हैं। इस वजह से वहां पूरे समय जाम की स्थिति रहती है। शाम के समय पचपेड़ीनाका ब्रिज पार करना दूभर होता है

हरिभूमि लाइव

क्रुणाल की तूफानी पारी और 'भुवी' के विजयी छक्के से आरसीबी ने मुंबई को 2 विकेट से हराया

आरसीबी ने घर में मैच के साथ जीता दिल

आखिरी गेंद तक चला रोमांच

फोटो : किशन लोखंडे

कुणाल पंड्या बने मैच विनर

रायपुर। आरसीबी ने अपने होम ग्राउंड में रविवार को एक हाई-वोल्टेज मुकाबले में मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर हराकर फैंस का दिल जीत लिया। मैच के असली हीरो क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार रहे, जिन्होंने मैच के रोमांच को अंतिम ओवर की आखिरी गेंद तक पहुंचा दिया। लगभग 60 हजार दर्शकों से खचाखच भरा स्टेडियम एक 'लाल समंदर' में तब्दील नजर आया। हर तरफ आरसीबी की लाल और मुंबई की नीली जर्सी पहने फैंस अपनी टीमों का उत्साह बढ़ाते दिखे। पहली पारी में रोहित शर्मा की तूफानी शुरुआत ने फैंस को खुश कर दिया तो वहीं तिलक और नमन की शानदार पारियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर किया। 'चेज़ मास्टर' विराट कोहली का मैजिक भले ही नहीं चला, लेकिन भारी दबाव में क्रुणाल पंड्या की तूफानी बल्लेबाजी और अंत में भुवनेश्वर कुमार के विजयी छक्के ने फैंस का जोश दोगुना कर दिया।

भुवनेश्वर कुमार चुने गए प्लेयर ऑफ द मैच

प्रदेशभर से पहुंचे क्रिकेट फैंस

इस महामुकाबले का लुत्फ उठाने प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा नागपुर जैसे अन्य शहरों से भी भारी संख्या में क्रिकेट प्रेमी पहुंचे थे। फैंस अपने चहेते खिलाड़ियों के लिए खास मैसेज वाले पोस्टर लेकर आए थे। जब भी कोई बल्लेबाज छक्का जड़ता और गेंद दर्शक दीर्घा में पहुंचती तो फैंस के बीच उस गेंद को लपकने और उसके साथ यादगार फोटो खींचने की होड़ मच जाती।

मैच देखने पहुंचे आकाश अंबानी

चेहरों पर टीमों का रंग स्टेडियम में 'हिटमैन' और सूर्या का जादू

मैच देखने आए फैंस ने अपने चेहरों पर आरसीबी और मुंबई के रंग पेंट करवा कर टीमों के लिए अपना समर्थन दिखाया। छोटे-छोटे बच्चे रोहित, विराट, हार्दिक और सूर्यकुमार यादव के लिए स्पेशल मैसेज लेकर पहुंचे थे। जब भी ये स्टार खिलाड़ी फील्डिंग के दौरान बाउंड्री लाइन के पास आते, तो दर्शक उन्हें उत्साह के साथ पुकारते। पहली गेंद से लेकर 'भुवी' के बल्ले से निकले आखिरी विजयी छक्के तक, स्टेडियम में मौजूद फैंस हर पल झूमते रहे और तालियों की गड़गड़ाहट से रायपुर के इस मैच को हमेशा के लिए यादगार बना दिया।

मेधावी विद्यार्थियों ने लिया मैच का आनंद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को नई ऊर्जा देने की दिशा में लगातार नवाचारपूर्ण पहल कर रही है। इसी क्रम में रविवार को राजधानी रायपुर में हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच का रोमांच प्रदेश के 18 मेधावी विद्यार्थियों ने भी महसूस किया, जिन्होंने दसवीं और बारहवीं की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है।

सिटी लाइव

गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए राहगीरों को शर्बत और स्वल्पाहार का किया वितरण

रायपुर। पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत द्वारा राहगीरों व भक्तों को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए शरबत और स्वल्पाहार वितरण किया गया। यह आयोजन रविवार को काली माता मंदिर परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया गया। पंचायत के पदाधिकारियों ने भक्तों एवं राहगीरों को शरबत और प्रसाद काले छोले एवं बिस्किट पैकेट वितरित कर समाज सेवा ही प्रभु सेवा का भाव प्रस्तुत किया। पूज्य सिविल लाइंस सिंधी पंचायत मीडिया प्रभारी जतिन नचरानी ने बताया कि पंचायत द्वारा शहर में समाज सेवा के कार्य लगातार किए जा रहे हैं। शरबत व स्वल्पाहार वितरण भी इसी का एक हिस्सा है। मई की गर्मी में हाईड्रेशन से राहगीर परेशान होते हैं। ऐसे में उन्हें रास्ते पर शरबत प्रदान किया जाए तो काफी राहत मिल जाती है। वहीं, पंचायत के अध्यक्ष संजय जैसिंघ एवं महासचिव मोहन वल्र्यानी ने कहा कि पंचायत द्वारा निरंतर समाज हित में कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम में विशेष रूप से संजय जैसिंघ, मोहन वल्र्यानी, मधु बहादुर आर्त्तवानी, रश्मि वाधवा, जीवत बजाज, सुशील दरीरा, रॉकी छुगानी, नानक राम रामरख्यानी, शैलेंद्र नैनानी, जय आर्य, ललित जैसिंघ, अमर संतवानी, वासु माखीजा, अशोक निहलानी, विशाल नारंग, नरेश पिंजानी, हीरानंद दुल्हानी, संजय आहूजा, रम्मी पारवानी आदि उपस्थित रहे।

कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग भी

पंचायत ने इस मौके पर मातृ दिवस के दिन महिला विंग की अध्यक्ष मधु बहादुर आर्त्तवानी का सम्मान किया एवं उनकी संस्था मधुधारा को 11 जरूरतमंद कन्याओं के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग एवं उपहार स्वरूप आवश्यक सामान भी भेंट किया। इस अवसर पर सभी ने बेटियों के उज्ज्वल भविष्य एवं सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

समाज लाइव

वृंदावन हाल में आज होगी 'रंग यानिकी' की प्रस्तुति

रायपुर। छत्तीसगढ़ी धरोहर और रंगमंच को संजोकर चल रही रंगभूमि 11वें स्थापना दिवस पर महाराष्ट्र मंडल के साथ 'रंग यानिकी' का आयोजन सोमवार को करने जा रही है। आज वृंदावन हॉल सिविल लाइन में यह प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर रंगभूमि की टीम बहुरंगी काव्य, सांस्कृतिक संध्या और लोकरंग पुरोधा सम्मान समारोह आयोजित कर रही है। आयोजन शाम 7.30 बजे से शुरू होगा। रंगभूमि के लोकेश साहू ने बताया कि आचार्य रंजन मोड़क के मार्गदर्शन में रंगभूमि स्थापना दिवस पर आयोजित 'रंग यानिकी' में कविता, नाट्य प्रस्तुति, लोकभाव, संगीत और नृत्य की विविध रंगों से सजी प्रस्तुतियां दर्शकों को भाव-विभोर करेंगी। सांस्कृतिक संध्या में युवा एवं प्रतिभाशाली कलाकार सशक्त प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज, संवेदना, संघर्ष, प्रेम, लोक जीवन को मंच पर जीवंत करेंगे।

पौराणिक पात्र के साथ रविंद्र नृत्य की प्रस्तुति होगी

रंगभूमि के नितीश यादव ने बताया कि यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि साहित्य, संवेदना और संस्कृति का उत्सव है, जहां मंच पर शब्द, संगीत और अभिनय एक साथ जीवंत होते दिखाई देंगे। वहीं, इसमें बाल मन, स्त्री मन, वृद्ध मन और सामाजिक सरोकार, पौराणिक पात्र के साथ रविंद्र नृत्य की प्रस्तुति होगी। इस विशेष अवसर पर वरिष्ठ लोक कलाकार नरेंद्र यादव को लोकरंग पुरोधा सम्मान से नवाजा जाएगा। महाराष्ट्र मंडल के सचिव चेतन गोविंद दंडवते और रंगभूमि के संस्थापक रंजन मोड़क ने दर्शकों के सामने बेहतर प्रस्तुति के लिए तैयारी को अंतिम रूप दिया।

सिटी इवेंट

शुद्ध शाकाहार संस्कार अभियान के तहत होटल रेस्टोरेंट को मिलेगा सनातन शाकाहार सर्टिफिकेट

रायपुर। धर्म स्तंभ काउंसिल द्वारा शुद्ध शाकाहार संस्कार अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत होटलों और रेस्टोरेंट्स को सनातन शाकाहार सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। शाकाहारी लोग होटलों में शुद्धता को लेकर संशय में रहते हैं। ऐसे में इस अभियान का उद्देश्य होटलों और रेस्टोरेंट्स की सनातन शाकाहार की पहचान और विश्वसनीयता को स्थापित करना है। धर्म स्तंभ काउंसिल सभा के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने बताया कि एक ऐसी मुहिम का शंखनाद किया है, जो देश के खान-पान की तस्वीर बदल देगी। काउंसिल अब देशभर में शुद्ध शाकाहार संस्कार अभियान चलाने जा रही है, जिसके तहत शुद्ध और सात्विक होटलों को गर्व के साथ सनातन शाकाहार प्रमाण-पत्र से नवाजा जाएगा। सनातन शाकाहार सर्टिफिकेट भरोसे की नई पहचान होगी। क्योंकि, अक्सर शाकाहारी लोग होटलों में शुद्धता को लेकर संशय में रहते हैं, अब यह चिंता दूर होगी। डॉ. निर्वाणी ने ऐलान किया कि यह प्रमाणपत्र केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि शुद्धता, स्वच्छता और संस्कारों की गारंटी होगा। यहां का अन्न पूरी तरह सात्विक है। यह अभियान आने वाले समय में सार्वजनिक भोजनालयों में खान-पान की एक सामाजिक संस्कार व संस्कृति की पहचान बनेगा।

भोजन नहीं, यह संस्कृति का विज्ञान

दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर स्वामी राजीव लोचन दास ने इस अभियान में आध्यात्मिक ऊर्जा फूंकते हुए कहा कि शाकाहार महज थाली का हिस्सा नहीं, हमारी सनातन आत्मा है। 'जैसा अन्न, वैसा मन।' जब समाज सात्विक भोजन करेगा, तभी एक संयमित और शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण होगा। काउंसिल के महंत सुरेंद्र दास ने आधुनिक तर्क के साथ बात रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शाकाहार केवल धर्म नहीं, बल्कि मोटापे, हृदय रोग और तनाव जैसी बीमारियों के खिलाफ एक वैज्ञानिक ढाल है। आज पूरी दुनिया जिस 'प्लांट बेस्ड डाइट' के पीछे भाग रही है, वह हमारी रगों में हजारों सालों से दौड़ रही है।

मदर्स डे पर अलग-अलग संस्था की पहल पर आयोजन, किसी ने सेवा तो किसी ने उनके समर्पण को किया नमन

सिंगल मदर्स के संघर्ष को किया याद, मां का सम्मान करने अधीर प्राउड ने सजाया मंच, काव्य धाराओं में मातृत्व प्रेम

'सिंगल मदर्स के संघर्ष को याद करने के लिए जगह-जगह मदर्स डे के अवसर पर भव्य आयोजनों का सिलसिला रविवार को दिनभर चला। किसी ने मां का सम्मान करने के लिए मंच सजाया तो कहीं पर रचनाकारों ने अपनी पंक्तियों में मातृत्व प्रेम की झलक पेश करते हुए श्रोताओं से वाहवाही लूटी। इतना ही नहीं, अपनेपन की भावना से समाज की सेवा करने वाली संस्थाओं का सम्मान भी मदर्स डे पर किया गया। आयोजनों की श्रृंखला आयोजकों ने अलग-अलग समय में सजाई। इसका साक्षी बनने के लिए हर वर्ग के लोग शामिल हुए।'

संघर्ष से समाज के बीच प्रस्तुति करती हैं मिसाल

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. वर्णिका शर्मा (अध्यक्ष बाल संरक्षण आयोग) उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मां परिवार की आधारशिला ही नहीं होती, बल्कि समाज की प्रेरणा और शक्ति का केंद्र होती हैं। विशेष रूप से सिंगल मदर्स अपने साहस, आत्मविश्वास और संघर्ष से समाज के लिए एक मिसाल प्रस्तुत करती हैं। महिलाओं के सम्मान को बढ़ावा देने के साथ समाज को सकारात्मक संदेश देने का काम करती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. संध्या गुप्ता (प्राचार्य गुरुकुल महिला महाविद्यालय) ने कहा कि मातृत्व त्याग, प्रेम और समर्पण का सबसे सुंदर स्वरूप है। एक मां अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हर कठिनाई का सामना करती है। विशिष्ट अतिथि गीता वर्मा ने कहा कि हर मां अपने परिवार की सबसे बड़ी शक्ति होती है। मां का प्रेम, धैर्य और त्याग परिवार को एकजुट बनाए रखता है।

इनकी सहभागिता से किया गया सफल आयोजन

इस आयोजन के सफल संचालन में अर्क वियत फाउंडेशन की फाउंडर डॉ. रात्रि लहरी और ओजस वेलफेयर की फाउंडर हरदीप कौर ओलक की विशेष भूमिका रही। सहयोगी के रूप में डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर (प्रथम श्रेणी नायक मजिस्ट्रेट), गीता वर्मा एवं भुनेश्वर साहू (फिल्म प्रोडक्शन) का विशेष योगदान रहा। साथ ही गुरुकुल महिला कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। डॉ. कविता कुंबज, राहुल, पीयूष जैन सहित प्रभावशाली संचालन राशि ओलक द्वारा किया गया।

रायपुर। मदर्स डे पर अर्क वियत फाउंडेशन एवं ओजस वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा विमतारा हॉल में 'अधीरा प्राउड सिंगल मदर सम्मान' का भव्य आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य मातृत्व शक्ति को सम्मानित करना, समाज में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करना व उन सिंगल मदर्स के संघर्ष और सफलता को मंच प्रदान करना था, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास, मेहनत और समर्पण के बल पर अपने जीवन में विशेष उपलब्धियां हासिल कीं। विभिन्न क्षेत्रों से आईं 31 सिंगल मदर्स का सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने अपने संघर्ष, साहस और आत्मबल से यह सिद्ध किया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से सफलता प्राप्त किया जा सकता है। सम्मान समारोह के दौरान उनके त्याग, प्रेम और समाज निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

मातृ दिवस पर सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन

मातृ दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय कवि संगम देखने को मिला। सरस काव्य गोष्ठी का यह आयोजन तेलीबांधा स्थित तिरंगा तालाब के सामने स्थित होटल शीतल के हॉल में किया गया। इसमें प्रांतभर से पहुंचे साहित्यकारों एवं कवियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को अत्यंत सफल एवं प्रभावशाली बनाया। यह जानकारी राष्ट्रीय कवि संगम के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने रविवार को दी। मातृत्व दिवस पर साहित्यकारों ने प्रस्तुतियां दीं। इनमें सत्यनारायण जोशी, आदित्य बर्मन, हर्ष व्यास, भावेश देशमुख ने मातृत्व की भावना को समर्पित काव्य प्रवाह से लोगों को खुशनुमा माहौल दिया। वहीं, मुख्य रूप से महेश कुमार शर्मा, उर्मिला देवी उर्मि, कुमार जगदलवी ने आयोजन को सफल बनाने का प्रयास किया। कार्यक्रम संयोजक की भूमिका सफल भोई ने निभाई।

माटी के स्वाद में छत्तीसगढ़ी पारंपरिक जीवनशैली

छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ और वैदिक ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में 10 मई को मदर्स डे पर छत्तीसगढ़ी अग्रवाल भवन में माटी के स्वाद का आयोजन किया गया। जिसमें माटी के स्वाद, छत्तीसगढ़ी पारंपरिक जीवन शैली, व्यंजनों, छत्तीसगढ़ी भाषा की महत्ता एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारियों से लोगों को अवगत करवाया गया। इसमें आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रोफेसर, वरिष्ठ पत्रकार, समाज के बुद्धजीवियों एवं मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में सैय्यद सलमा ने संस्था अवाम ए हिन्द सोशल वेलफेयर कमेटी के संस्थापक मोहम्मद सज्जाद खान को उनके द्वारा वर्षों से किए जा रहे जनहित एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में योगदान देने तथा उल्लेखनीय कार्यों के लिए मोमेंटो से सम्मानित किया। इस सम्मान के लिए मो. सज्जाद ने कहा कि खुशी की बात है यदि कोई भी संस्था सामाजिक सद्भाव के लिए काम करती है तो उसे समाज में स्थान मिलना चाहिए। इस मौके पर जुबैर खान, कुलविंदर सिंह, वसीम अकरम, मोहिब खान उपस्थित थे।

मदर्स डे सेलिब्रेशन में छलका उत्साह

रायपुर। मां शारदा हायर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल काठाडीह रोड, मठपुरैना रायपुर छत्तीसगढ़ में वर्ष 2026 के अवसर पर "मदर्स डे सेलिब्रेशन" बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं माताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स एवं आकर्षक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। बच्चों द्वारा सुंदर पेंटिंग्स बनाकर माताओं के प्रति अपने प्रेम एवं सम्मान को व्यक्त किया गया। वहीं माताओं के लिए भी विशेष फनी गेम्स रखे गए, जिनमें सभी माताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में स्कूल के डायरेक्टर राजेश चौबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मां परिवार एवं समाज की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होती हैं। उन्होंने बच्चों को माताओं के सम्मान एवं उनके त्याग और प्रेम का महत्त्व समझाया। इस अवसर पर बच्चों एवं माताओं को उपहार वितरित किए गए तथा बच्चों को चॉकलेट भी बांटी गईं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में मातृ सम्मान, प्रेम एवं संस्कारों की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम का समापन हर्ष एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ तथा सभी उपस्थित अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने कार्यक्रम की सराहना की।

विश्व है जब नींद में मगन...विश्वकवि रवींद्रनाथ के अमर गीतों को सुरों में पिरो कलाकारों ने बांधा समां

रायपुर। 'विश्व है जब नींद में मगन...गगन में अंधकार, कौन देता मेरी वीणा के तारों में ऐसी झनकार' पंडरी स्थित मंदिर परिसर में विश्वकवि रवींद्रनाथ ठाकुर का यह गीत गूंजा, तो काव्य प्रेमी मंत्रमुग्ध हो उठे। मौका था विश्वकवि रवींद्रनाथ ठाकुर की 165वीं जन्म जयंती पर आयोजित कवि प्रणाम नामक विशेष सांस्कृतिक संध्या का। यह आयोजन महाकाली बाड़ी एवं विश्वनाथ मंदिर समिति के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में गुरुदेव की अमर रचनाओं को गीत, कविता पाठ एवं नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत कर उनके प्रति श्रद्धा, प्रेम और सम्मान अर्पित किया गया। कार्यक्रम भारी वर्षा के बावजूद देर रात तक निरंतर चलता रहा। विलंब से प्रारंभ होने के बाद भी बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी कार्यक्रम का आनंद लेने पहुंचे रहे। इस कार्यक्रम से शनिवार की शाम भक्ति, प्रेम, समाज चेतना तथा विश्वबंधुत्व की भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण में बदल गया। विशेष प्रस्तुति में ओ री, आम्र मंजरी, ओ री, आम्र मंजरी...,अंतर मम विकसित करो हे अंतरयामी...जैसे अमर गीतों से सांस्कृतिक संध्या यादगार बन गया। कला साधकों में गौरव राय, कृष्णेन्दु घोष, कृष्णकोली घोष, मंजू बोस, अनुपम गुहा ठाकुरता एवं नील माधव घोष ने अपनी प्रभावपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रोताओं को आनंद से भर दिया। तबला संगत प्रांजल दास तथा हारमोनियम पर गौरव राय ने सुंदर सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का विशेष संचालन पौमोली घोष ने किया।

रवींद्रनाथ ठाकुर की 165वीं जयंती पर कवि प्रणाम नामक विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

बाल कलाकारों की प्रस्तुति ने मोहा मन

इस अवसर पर 5 वर्षीय बाल कलाकार से लेकर वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध कलाकारों तक ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरुदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की। किसी ने कराओके ट्रैक पर गायन प्रस्तुत किया, तो किसी ने बिना किसी वाद्य संगत के केवल अपने भावपूर्ण स्वर से वातावरण को भावविभोर किया। लगभग चार घंटे तक चले इस आयोजन ने उपस्थित श्रोताओं को एक यादगार संगीत अनुभव प्रदान किया।

कला प्रेमियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को बनाया यादगार

समिति की ओर से रंजन बैनर्जी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर समिति के महासचिव गौतम मजूमदार, बापी राय, अजय कर्मकार सहित नगर के कई संगीतप्रेमी एवं संगीतज्ञ उपस्थित रहे। सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ डॉ. दीपक बेडेकर ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। सांस्कृतिक संध्या को संगीतप्रेमियों और कला साधकों की उपस्थिति ने यादगार बनाया।

श्रवण यंत्र से 2 बच्चों व 17 बुजुर्गों की तकलीफ हुई दूर, चेहरे पर बिखरी मुस्कान

रायपुर। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा साधर्मिक भक्ति व अनुकम्पा सेवा सप्ताह का आरम्भ किया गया। सेवा सप्ताह के तहत रविवार को 18 श्रवण बाधित लोगों का कृत्रिम यंत्र का वितरण किया गया। इन लाभार्थियों में 2 बच्चे व 17 बुजुर्ग शामिल रहे। जैन संवेदना ट्रस्ट के पदाधिकारी महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने इस अवसर पर कहा कि मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। जीवन भर सुनने के बाद जब बुढ़ापे में कम सुनाई देने लगता है, तो बुजुर्गों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस वक़्त बुजुर्गों के लिए श्रवण यंत्र ही बड़ा सहारा होता है। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा मूक बाधित व श्रवण बाधित लोगों का परीक्षण कर श्रवण यंत्र का वितरण किया जा रहा है। ट्रस्ट के वीरेन्द्र डागा ने बताया कि शिविर में एक बालिका नियति को जन्म से सुनाई नहीं देता था, डॉक्टरों ने जांच कर बताया कि श्रवण यंत्र लगाकर नियति सुन सकती है। ऐसे बच्चों को श्रवण यंत्र वितरण किया जा रहा है। श्रवण यंत्रों के माध्यम से बच्चे सुनने लगे हैं, इससे उनके माता-पिता प्रफुल्लित होकर जैन समाज का आभार जताया है।

1000 लोगों की मदद का लक्ष्य

जैन संवेदना ट्रस्ट ने वर्ष 2026 में 1000 लोगों की मदद का लक्ष्य रखा है। मई के आरम्भ में ही 2 बच्चों के अलावा 17 बुजुर्गों को भी श्रवण यंत्र देकर सुनने की समस्या से निजात दिलाने का पावन कार्य करने का अवसर मिला है। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा मूक पशु पक्षियों की सेवा, मानव सेवा के अंतर्गत श्रवण यंत्र, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, वैशाखी, बीपी नापने की मशीन, शुगर टेस्टिंग मशीन का निःशुल्क वितरण तथा मानव कल्याण में साधर्मिक भाई-बहनों के स्वावलंबी जीवन, व्यावसायिक उत्थान व विवाह योजना पर लगातार कार्य किए जाते हैं। जिन बच्चों, बुजुर्गों को कम सुनाई देता है वे आड़ियोमैट्री जांच करवा कर महेन्द्र कोचर 9301056004 व विजय चोपड़ा 9301739494 से सम्पर्क कर सकते हैं।

गायत्री नगर स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर में दो दिवसीय विराट अखंड हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ संपन्न

कार्नर न्यूज

हरिनाम संकीर्तन और नामयज्ञ में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब, श्रीजगन्नाथ से की सुख, समृद्धि के लिए कामना

रायपुर। गायत्री नगर स्थित पावन श्रीजगन्नाथ मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय विराट अखंड हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ में भक्तों का हुजूम उमड़ा। मंदिर परिसर हरे राम, हरे कृष्ण महामंत्र के अखंड संकीर्तन से निरंतर गुंजायमान रहा और श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीजगन्नाथ से अपने परिवार के लिए सुख, समृद्धि की आशीष मांगी। रविवार को भक्तिमय वातावरण एवं पूर्णाहुति के साथ 'नामयज्ञ' सम्पन्न हुआ। भक्ति, आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति से सराबोर इस आयोजन में प्रदेशभर से हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन एवं महाप्रसाद का पुण्य लाभ प्राप्त किया। इसमें राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने श्रीजगन्नाथ महाप्रभु, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हरिनाम संकीर्तन भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। ऐसे आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, भाईचारा एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से प्रदेश निरंतर विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर हो। राज्यपाल रमेन डेका ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं तथा युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि हरिनाम संकीर्तन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जनमानस को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करने वाला महाआयोजन है।

आध्यात्मिक जागरण और सामाजिक समरसता का प्रबुद्धजनों ने दिया संदेश

इस विराट आयोजन का सफल संचालन श्रीजगन्नाथ मंदिर सेवा समिति रायपुर द्वारा किया गया। समिति के अध्यक्ष एवं विधायक पुरंदर मिश्रा के नेतृत्व में पूरी आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। पेयजल, भंडारा, प्रसाद वितरण, बैठने एवं पार्किंग सहित सभी व्यवस्थाओं की श्रद्धालुओं ने सराहना की। पुरंदर मिश्रा ने कहा कि हरिनाम संकीर्तन नामयज्ञ समाज में आध्यात्मिक जागरण और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

इनकी उपस्थिति में हुआ आयोजन

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विशाल महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, कई विधायकगण, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं प्रदेशभर से आए श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हेल्थ टिप्स

तमाम वर्जिश के बावजूद नहीं घट रहा वजन तो हो सकती हैं ये गलतियां

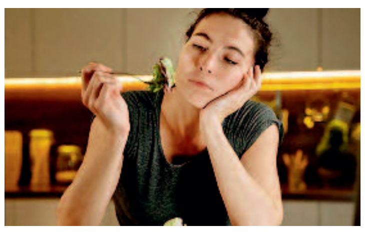

अधिकतर लोग वजन कम करने के लिए जल्दबाजी में ऐसे तरीके अपनाने लगते हैं जो शरीर को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई खाना लगभग बंद कर देता है, कोई घंटों एक्सरसाइज करता है। इससे क्या वास्तव में फायदा होता है?

वजन बढ़ना मौजूदा समय की सबसे चिंताजनक समस्याओं में से एक है। ये अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लेकर आता है। जिस तरह से बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक, हर उम्र के लोग मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं, इसने सेहत को लेकर मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं, खराब लाइफस्टाइल, दिनभर बैठकर काम करते रहना, जंक फूड्स की आदत और शारीरिक गतिविधियों में कमी ने लोगों को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। क्या आप भी मोटापे की समस्या से परेशान हैं?

वजन कम करने के लिए कोई खाना लगभग बंद कर देता है तो कोई घंटों एक्सरसाइज करता है पर क्या वास्तव में इससे लाभ मिलता है? विशेषज्ञों के अनुसार स्वस्थ तरीके से वजन कम करने का मतलब केवल कम खाना नहीं बल्कि संतुलित डाइट, नियमित एक्सरसाइज, अच्छी नींद और लंबे समय तक टिकने वाली आदतों को अपनाना है।

वेट लॉस के दौरान क्या गलतियां न करें?

अध्ययनों से पता चलता है कि क्रैश डाइटिंग से

मेटाबॉलिज्म धीमा पड़ सकता है, जिससे बाद में वजन और तेजी से बढ़ने लगता है। वहीं जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करने से शरीर में थकान, चोट का खतरा हो सकता है। वजन घटाने के दौरान सही पोषण लेना भी असल में बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि वेट लॉस के लिए अक्सर लोग कौन सी गलतियां करते हैं जिससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है?

खाना छोड़ना ठीक नहीं

अक्सर लोग सोचते हैं कि खाना छोड़ देने से वजन तेजी से कम हो जाएगा, लेकिन असल में ये तरीका शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। क्रैश डाइटिंग में लोग जरूरत से बहुत कम कैलोरी लेते हैं, जिससे शरीर में ऊर्जा की कमी होने लगती है। विशेषज्ञों के अनुसार शरीर को काम करने के लिए ऊर्जा की जरूरत होती है। जब आप खाना कम कर देते हैं तो शरीर स्टार्वेशन मोड में चला जाता है और मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। क्रैश डाइटिंग करने वाले लोगों में कमजोरी, चक्कर आने, बाल झड़ने जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं।

बहुत ज्यादा व्यायाम खतरनाक

क्या वास्तव में घंटों जिम में पसीना बहाने से वजन कम होता है? विशेषज्ञ कहते हैं, वजन घटाने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है पर डाइट और लाइफस्टाइल की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करना भी नुकसान पहुंचा सकता है। इससे मांसपेशियों में चोट, थकान और शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ सकता है। कोर्टिसोल का स्तर बढ़ने पर तनाव और फैट स्टोरेज की समस्या बढ़ सकती है। शरीर को बिना आराम दिए लगातार हैवी एक्सरसाइज करने से मांसपेशियों की रिकवरी नहीं हो पाती।

सिर्फ कैलोरी ही कम करने से नहीं चलेगा काम वजन कम करने के दौरान अक्सर लोग लो कैलोरी पर जोर देते हैं लेकिन पोषण पर ध्यान नहीं देते। यह गलती शरीर को कमजोर बना सकती है। प्रोटीन की कमी होना वेट लॉस के दौरान बड़ी समस्या है। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बनाए रखने में मदद करता है। जब लोग पर्याप्त प्रोटीन नहीं लेते तो वजन घटने के साथ मांसपेशियां भी कम होने लगती हैं। हेल्दी वेट लॉस के लिए दाल, पनीर, अंडे, दही, नट्स और हरी सब्जियों जैसी चीजों को डाइट में शामिल करना जरूरी है।

वेट लॉस के लिए नींद जरूरी

वेट लॉस के दौरान डाइट और एक्सरसाइज पर ध्यान देने के साथ अच्छी नींद और तनाव को कंट्रोल करना भी जरूरी है। खराब नींद और ज्यादा तनाव वजन बढ़ने का बड़ा कारण बन सकते हैं।जब शरीर को पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो भूख नियंत्रित करने वाले हार्मोन प्रभावित होते हैं। इससे ज्यादा भूख लग सकती है और कैलोरी इंटेक बढ़ सकती है। तनाव की स्थिति में शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ता है।

आंखों को देखकर आसानी से समझ सकते है अपनी तबीयत को

आंखें गवाही देती है आपके लिवर की सेहत की, लक्षण दिखें तो तुरंत जाएं डॉक्टर के पास

> आंखों को देखकर आसानी से समझ सकते है अपनी तबीयत को आंखें लिवर की सेहत का महत्वपूर्ण संकेत बन सकती हैं। जब आंखों का सफेद हिस्सा पीला पड़ने लगे, तब यह शरीर में बिलीरुबिन बढ़ने का संकेत हो सकता है। अगर आंखों में लगातार पीलापन, सूजन या रंग में बदलाव दिखाई दे, तो इसे सामान्य कमजोरी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

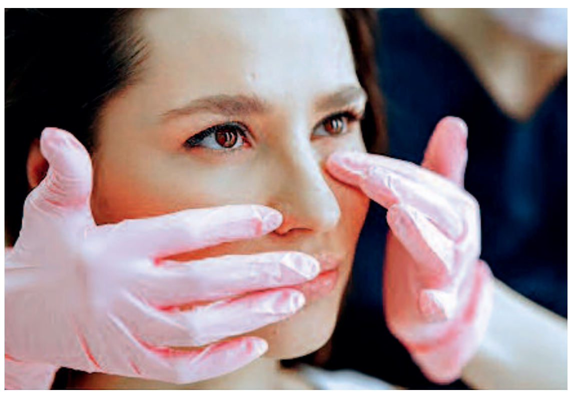

लिवर हमारे शरीर के उन महत्वपूर्ण अंगों में से एक है जो बिना थके, बिना रुके लगातार काम करता रहता है। शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालना हो या फिर भोजन को ऊर्जा में बदलना, पाचन को ठीक रखना हो या फिर शरीर के लिए जरूरी हार्मोन्स बनाना, लिवर कई महत्वूर्ण कार्य करता है। हालांकि जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल-खानपान गड़बड़ होता जा रहा है, इसने लिवर से जुड़ी बीमारियों को तेजी से बढ़ा दिया है। कम उम्र के लोग यहां तक कि बच्चे भी लिवर की बीमारियों का शिकार देखे जा रहे हैं।

डॉक्टर कहते हैं, हेल्थ चेकअप रूटीन में लिवर की जांच को जरूर शामिल किया जाना चाहिए। शुरुआती चरण में लिवर की बीमारियों के अक्सर कोई संकेत नहीं दिखते हैं, यही कारण है कि ये धीरे-धीरे बढ़ती रहती है। समय पर जांच की मदद से आप लिवर की समस्याओं को समय रहते पता लगाकर इलाज करा सकते हैं।

विशेषज्ञ कहते हैं, हमारा शरीर भी लिवर की समस्याओं का संकेत देता रहता है। आप आंखों को ध्यान से देखकर भी जान सकते हैं कि लिवर हेल्दी है या नहीं?

लिवर का हाल

जी हां, हमारी आंखें भी लिवर की सेहत के बारे में बताती हैं। आंखों का सफेद हिस्सा अगर पीला दिख रहा हो, यानी कि अगर आपमें पीलिया के लक्षण हैं तो ये भी लिवर की समस्याओं की तरफ इशारा माना जाता है। शरीर में बिलीरुबिन का स्तर बढ़ने के कारण ये दिक्कत होती है। बिलीरुबिन लाल रक्त कोशिकाओं के टूटने से बनता है। सामान्य स्थिति में लिवर इसे प्रोसेस करके शरीर से बाहर निकाल देता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता, तब यह शरीर में जमा होने लगता है और आंखों के अलावा त्वचा में भी पीलापन बढ़ जाता है। आंखों में होने वाले इस तरह के बदलाव पर समय रहते ध्यान देकर आप लिवर की गंभीर समस्याओं से सुरक्षित हो सकते हैं।

पीलिया को न करें अनदेखा

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि जब लिवर कमजोर हो जाता है या उसमें सूजन, संक्रमण होती है, तब वह ठीक से काम नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त बिलीरुबिन को भी लिवर सही तरीके से बाहर नहीं निकाल पाता। इसके कारण यह खून में जमा होने

लगता है और सबसे पहले आंखों के सफेद हिस्से में पीलापन दिखाई देने लगता है। हेपेटाइटिस, फैटी लिवर, संक्रमण जैसी स्थितियां इसके पीछे कारण हो सकती हैं। अगर आंखों के साथ त्वचा भी पीली हो रही हो, पेशाब गहरा पीला हो और लगातार कमजोरी महसूस हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

लिवर को स्वस्थ रखने के उपाय

लिवर की कई बीमारियों को सही लाइफस्टाइल और खानपान को अपनाकर काफी हद तक रोका जा सकता है। हरी सब्जियां, फल-साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त भोजन लिवर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। ज्यादा तला-भुना, प्रोसेस्ड फूड्स और ज्यादा चीनी वाली चीजें फैटी लिवर का खतरा बढ़ा सकती हैं। ज्यादा शराब पीना लिवर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर फैटी लिवर और सिरोसिस का खतरा बढ़ा सकती है। वजन को कंट्रोल रखने से नॉन-अल्कोहोलिक फैटी लिवर डिजीज का खतरा कम होता है। हेपेटाइटिस-ए और बी के टीके भी लिवर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। आंखों में पीलापन के अलावा भी कई अन्य संकेत भी शरीर की बीमारियों की तरफ इशारा हो सकते हैं।

आपके रूटीन की ये आदतें बना सकती हैं बीपी का मरीज

हाई ब्लड प्रेशर एक ऐसी समस्या है जिससे हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। कई बार ये समस्याएं हमारी ही कुछ गलत आदतों की वजह से होती हैं। आइए इस लेख में कुछ ऐसी ही आदतों के बारे में जानते हैं। हाई ब्लड प्रेशर आज के समय में एक आम स्वास्थ्य समस्या बन गया है। कई बार इसे 'साइलेंट किलर' भी कहा जाता है, क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण ऐसे होते हैं जिसे आमतौर पर इंसान ध्यान नहीं दे पाता है।

संतलित आहार न लेना

हम क्या खाते हैं, इसका सीधा असर हमारे ब्लड प्रेशर पर पड़ता है। अत्यधिक नमक का सेवन उच्च रक्तचाप का सबसे बड़ा दुश्मन है। ज्यादा नमकीन स्नैक्स, पैकेटबंद खाना, फास्ट फूड और तला-भुना भोजन में सोडियम की मात्रा बहुत होती है, जो ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है। रेड मीट का अधिक सेवन और फल-सब्जियों की कमी भी इसका कारण बनती है। असंतुलित खानपान वजन बढ़ाता है और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है।

सेडेंटरी लाइफस्टाइल (शारीरिक गतिविधि की कमी)

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग घंटों कुर्सी पर बैठे रहते हैं या शारीरिक मेहनत से बचते हैं। नियमित व्यायाम या किसी भी तरह की फिजिकल एक्टिविटी न करना 'सेडेंटरी लाइफस्टाइल' कहलाता है। शारीरिक गतिविधि की कमी से वजन बढ़ता है, मांसपेशियां कमजोर होती हैं और हृदय को ठीक से काम करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ऐसे में व्यायाम हृदय को मजबूत बनाता है और रक्तचाप को कंट्रोल रखने में मदद करता है।

मानसिक तनाव की समस्या पर ध्यान न देना

तनाव हमारी जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन क्रॉनिक या लंबे समय तक रहने वाला तनाव ब्लड प्रेशर के लिए खतरनाक हो सकता है। तनाव की स्थिति में शरीर स्ट्रेस हार्मोन (जैसे कोर्टिसोल) रिलीज करता है, जिससे हृदय गति बढ़ती है और रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं। यदि तनाव लगातार बना रहता है तो यह धीरे-धीरे हाई ब्लड प्रेशर का स्थायी कारण बन सकता है।

टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में ईस्ट और सेंट्रल जोन की शानदार जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंडर-23 एवं सीनियर महिला टी 20 चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत रविवार को विभिन्न टीमों के बीच मुकाबले हुए। कल्याण कॉलेज ग्राउंड सेक्टर-7 में टीम नॉर्थ जोन विरुद्ध ईस्ट जोन परिणाम में ईस्ट जोन ने 6 विकेट से जीता। बल्लेबाजी में नॉर्थ जोन ने 7 विकेट पर 96 रन बनाए। जिसमें मानसी मौर्य ने 36 रन और योगिता लहरे ने 20 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में ईस्ट जोन की प्रतिज्ञा सिंह, शिविका अग्रवाल एवं शिवानी यादव ने दो-दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में ईस्ट जोन ने 4 विकेट पर 97 रन बनाए। इशा भारती ने नॉट आउट 56 रन बनाए। रुखसाना खातून ने 14 रन बनाए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम वेस्ट जोन विरुद्ध सेंट्रल जोन परिणाम में सेंट्रल जोन ने 10 विकेट से जीता। बल्लेबाजी में वेस्ट जोन ने 7 विकेट पर 195 रन बनाए। कुमुद साहू ने नॉट आउट 83 रन और श्वेता देवांगन ने 18 रन बनाए। गेंदबाजी में सेंट्रल जोन की श्रद्धा वैष्णव ने दो विकेट और पहल टंडन, भवानी ताम्रकार, सपना महानंद एवं जपनीत कौर ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में सेंट्रल जोन ने बिना कोई विकेट खोए 156 रन बनाए। कृति गुप्ता ने 57 रन, सेजल वर्मा ने नॉट आउट 61 रन और भाविका साहू ने नॉट आउट 26 रन बनाए।

आदित्य प्लेयर ऑफ द मैच

क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी करंजा भिलाई की ओर से यूथ क्रिकेट टूर्नामेंट शनिवार से शुरू हुई। तीस-तीस ओवरों में 17 मई तक आयोजित टूर्नामेंट में कुल छ टीमें भाग ले रही है। जिन्हें दो पूल में विभाजित किया गया है। पुल ए में क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी स्टील सिटी भिलाई एवं ईसीए रायपुर की टीम, पुल बी में गोविंद चौहान क्रिकेट अकादमी भिलाई, आरके अकैडमी भिलाई एवं पदमनाभपुर क्रिकेट क्लब दुर्ग शामिल हैं। पहले दिन खेलें गए मैच में स्टील सिटी भिलाई ने क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी को पांच रन से पराजित किया। बल्लेबाजी में स्टील सिटी ने 8 विकेट पर 135 रन बनाए। क्रिकेट फाउंडेशन अकादमी ने 9 विकेट पर 130 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच आदित्य यादव रहे।

जूनियर नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट चयन के लिए पंजीयन 13 तक

भारतीय टेनिस बॉल क्रिकेट महासंघ के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश टेनिस बॉल क्रिकेट संघ द्वारा 34 वीं जूनियर नेशनल टेनिस बॉल क्रिकेट चैंपियनशिप (बालक एवं बालिका वर्ग) 18 जून से 21 जून तक बलिया उत्तर प्रदेश में आयोजित है। उक्त चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ प्रदेश की बालक एवं बालिका टेनिसबॉल क्रिकेट टीम का चयन किया जाना है। जिसके लिए पंजीयन 13 मई तक सेक्टर 1 क्रिकेट स्टेडियम के पास कार्यालय में सचिव आजाद खान के समक्ष करवा सकते हैं। इस चयन स्पर्धा में भाग लेने खिलाड़ियों का जन्म 20 जून 2007 के बाद होना चाहिए। पंजीयन जन्म प्रमाण पत्र के साथ जमा करना होगा। चयन स्पर्धा के लिए निर्धारित स्थल बताया जाएगा।

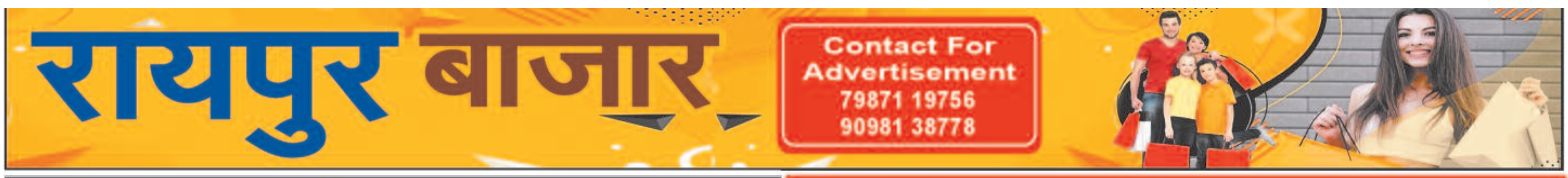

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'द डेविल वियर्स प्राडा' के तीसरे भाग को लेकर चर्चा, फिल्ममेकर ने दिया अपडेट

इन दिनों हॉलीवुड फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है। यह सीक्वल लगभग 20 साल बाद बना। अब इसके तीसरे पार्ट को लेकर फिल्ममेकर डेविड फ्रैंकल ने अपडेट शेयर किया है।
फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। भारत में भी यह फिल्म करोड़ों रुपये में कमाई कर रही है। इस फिल्म को देखने के लिए दर्शकों को लगभग 20 साल का इंतजार करना पड़ा। क्या तीसरे पार्ट में भी इतना ही लंबा इंतजार फैंस को करना होगा, इसे लेकर फिल्ममेकर डेविड फ्रैंकल ने चुप्पी तोड़ी है। डायरेक्टर डेविड फ्रैंकल 'द डेविल वियर्स प्राडा 3' बनने की संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं। हाल ही में वैरायटी से बात करते हुए डेविड फ्रैंकल ने कहा, 'देखिए, हमें यह फिल्म बनाने में 20 साल लग गए। जबकि मैंने कहा था कि अब कभी नहीं। फिर भी हम यहां पर हैं। इसलिए मैं दोबारा यह नहीं कहूंगा कि 'अब कभी नहीं'। देखते हैं कि आगे क्या होता है। अगर किरदारों के साथ दोबारा जुड़ने और इन शानदार एक्टर्स के साथ कुछ महीने बिताने का मौका मिला तो मुझे बहुत खुशी होगी।' इस तरह से कहीं ना कहीं फिल्ममेकर डेविड ने फिल्म के पार्ट 3 को लेकर हिंट दिया है। फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' में मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे के अलावा एमिली ब्लंट, स्टेनली टुकी, ट्रेसी थॉमस और टिबोर फेल्डमैन ने वापसी की। ये सभी एक्टर्स पहली पार्ट में भी थे। वहीं फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' में कुछ नए एक्टर्स भी शामिल हुए हैं। इसमें केनेथ ब्रानघ, पैट्रिक ब्रामल, सिमोन एशले, लूसी लियू, बीजे नोवाक, जस्टिन थेरॉक्स, लेडी गागा और पॉलीन चालमेट के नाम शामिल हैं।

टॉलीवुड

'राव बहादुर' की बदली रिलीज डेट जुलाई में सिनेमाघरों में देगी दस्तक

महेश बाबू के प्रोडक्शन हाउस की नई फिल्म 'राव बहादुर' की नई रिलीज डेट सामने आई है। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के प्रोडक्शन हाउस जीएमबी एंटरटेनमेंट ने सत्य देव स्टारर अपनी आगामी फिल्म 'राव बहादुर' की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अब मेकर्स ने इस बीच फिल्म की रिलीज डेट जारी कर दी है। मेकर्स ने रिलीज डेट की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर फिल्म का एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक नई तारीख। एक शानदार सिनेमाई अनुभव। राव बहादुर 3 जुलाई से दुनिया भर के सिनेमाघरों में। राव बहादुर याद रखें 'संदेह एक राक्षस है'।'
वेंकटेश महा द्वारा निर्देशित यह मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म पहले 5 जून को रिलीज होने वाली थी। मेकर्स ने अब फिल्म की रिलीज डेट बदल दी है। अब फिल्म 3 जुलाई को नई रिलीज डेट के साथ रिलीज होगी। महेश बाबू प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'राव बहादुर' का टीजर पिछले साल जारी किया गया था। एसएस राजामौली द्वारा साझा किया गया यह पोस्टर एक सस्पेंस और अंधेरी दुनिया की झलक दिखाता है। इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया था। पोस्टर में सत्य देव को शाही अंदाज में दिखाया गया है, जो मोर के पंखों से घिरे हुए हैं। इसमें बच्चे उनके कपड़े और मूंछों से लटके हुए हैं। फिल्म का निर्देशन वेंकटेश महा ने किया है और इसे महेश बाबू प्रस्तुत कर रहे हैं। महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की जीएमबी एंटरटेनमेंट इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट कर रही है।

भोजपुरी

मुश्किल में सिंगर समर, एक्ट्रेस की हत्या के आरोप पर हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

तीन साल पुराने एक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक भोजपुरी एक्ट्रेस की मौत के मामले में भोजपुरी सिंगर समर सिंह को नोटिस जारी किया है। 26 मार्च, 2023 को वाराणसी के एक होटल के कमरे में 25 साल की भोजपुरी एक्ट्रेस का शव मिला था। यह कथित तौर पर आत्महत्या का मामला था। तीन साल बाद, अदालत ने समर सिंह और उनके भाई संजय सिंह को नोटिस जारी किया। एक्ट्रेस की मां ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।
एक्ट्रेस की मां ने एक याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी की हत्या दो आरोपियों ने की है। उन्होंने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए एक याचिका दायर की। सारनाथ के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) को भी अपना जवाबी हलफनामा दायर करने को कहा गया है। ऐसा न करने पर उन्हें 22 मई को कोर्ट के सामने पेश होना होगा।
भोजपुरी एक्ट्रेस का शव 2023 में वाराणसी के सारनाथ स्थित एक होटल में मिला था। पुलिस ने इसे आत्महत्या का मामला बताया था। पुलिस जांच पर सवाल उठाते हुए, एक्ट्रेस की मां की याचिका में दावा किया गया है कि उनकी मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या थी। मामले की अगली सुनवाई उसी साल मई को तय की गई थी। उम्मीद थी कि उसी दिन फैसला सुना दिया जाएगा, लेकिन कोर्ट ने कहा कि कुछ बिंदुओं पर नए सिरे से सुनवाई जरूरी है।

फिजी के रंग

लाइफ स्टाइल

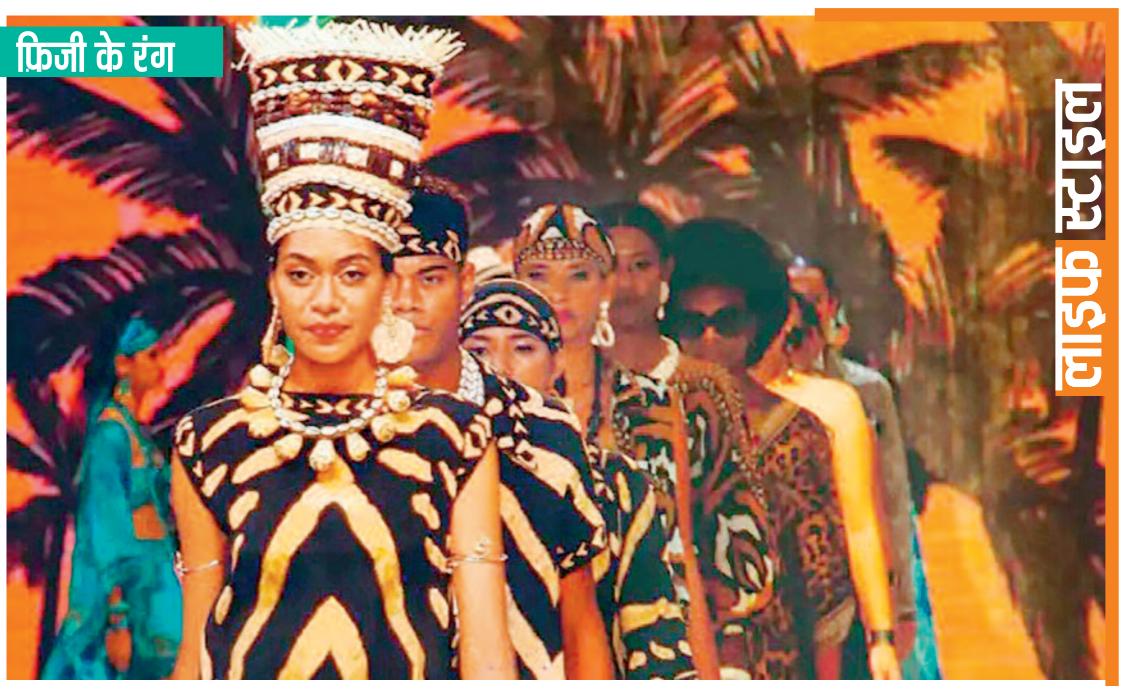

दक्षिण प्रशांत महासागर के खूबसूरत द्वीपीय देश फिजी को अक्सर 'मिनी इंडिया' भी कहा जाता है। यहां का फ़ैशन, प्राचीन आदिवासी परंपरा और आधुनिक द्वीपीय शैली का एक अनोखा मेल है। इसकी पहचान इसके चटकीले रंगों, आकर्षक ज्यामितीय पैटर्न और इसके कपड़ों व परिधानों के गहरे सांस्कृतिक महत्व से होती है। यहां सबसे मशहूर कपड़ा 'मासी' है, जिसे कागज़ी शहतूत के पेड़ की भीतरी छाल से बनाया जाता है। छाल को उतारा जाता है, कूटकर गूदा बनाया जाता है, और फिर उसे जोड़कर चादरें तैयार की जाती हैं।

पैरों में होने लगी है टैनिंग, घरेलू उपाय अपनाएं

यदि आपके भी पैरों की स्किन गर्मियों में टैन होने लगती है, तो आपके लिए इससे बचाव के घरेलू तरीके लेकर आए हैं। जिनकी मदद से आप सनबर्न की वजह से खराब हो चुकी स्किन को सही कर सकती हैं। इन उपायों को आप कम बजट में और बिना मेहनत के ठीक कर सकती हैं। यानि आप घर पर रखी चीजों की मदद से ही अपने पैरों की त्वचा को ठीक कर सकती हैं। इन घरेलू उपायों को हमारे साथ इंटरनेशनल मेकअप आर्टिस्ट कुशाग्री व्यास ने शेयर किया है।

बेसन और दही

यदि गर्मियों में आपके पैरों में बहुत ज्यादा टैनिंग हो गई है तो उसके लिए बेसन और दही एक बेहतरीन उपाय है। इसकी मदद से आप अपने पैरों की स्किन को निखार सकती हैं। इसके लिए आपको बेसन और दही के साथ इसमें गुलाब जल को मिक्स करके उसका एक गाढ़ा पेस्ट बना लेना है। अब आपको इस पेस्ट को अपने पैरों पर लगाएं और तब तक लगा रहने दें। जब तक ये सूख न जाए। सूख जाने के बाद इसको मालिश करते हुए हटा दें। ऐसा आप हफ्ते में दो बार कर सकती हैं।

शुगर पाउडर

यदि सनबर्न की वजह से आपके पैर बहुत ज्यादा खराब हो गए हैं तो आपके लिए शुगर पाउडर यानि पिसी हुई चीनी बेस्ट रहेगी। चीनी हमारी स्किन से डेड सेल्स हटाने में मदद करती है। ऐसे में आप शुगर पाउडर में थोड़ा पानी या गुलाब जल मिक्स करके उससे पैरों पर स्क्रब करें। हल्के हाथों से करीब आपको 5 से 10 मिनट तक मसाज करनी है। इसके बाद आप इसे पानी से वॉश कर लें। यह प्रक्रिया आप हफ्ते में एक बार दोहराएं।

कॉफी पाउडर

पैरों की टैनिंग दूर करने के लिए कॉफी पाउडर भी आपकी मदद कर सकता है। कॉफी में पाए जाने वाले एक्सफोलिएटिंग गुण सनबर्न से झुलस चुकी त्वचा को ठीक करता है। इसके लिए आपको एक कटोरी में कॉफी पाउडर लेना है। उसमें आप थोड़ा दूध और एलोवेरा जेल मिक्स करें। अब इसमें पानी मिक्स करके एक गाढ़ा पेस्ट बना लें और इसको अपने पैरों पर अप्लाई करें। सूख जाने के बाद इसे वॉश कर लें।

छोटे हाइट वाली लड़कियों को अट्रैक्टिव लुक देंगे खास सूट

छोटे हाइट वाली महिलाएं अक्सर इस बात को लेकर चिंतित रहती हैं, कि आखिर ऐसा क्या पहना जाए कि लुक अट्रैक्टिव नजर आए।

कम हाइट वाले लोगों को अपना लुक क्रिएट करने में काफी परेशानी आती है। आखिर ऐसा क्या पहना जाए जो कि उनकी पर्सनालिटी पर सूट करें। वहीं बात अगर इंडियन लुक की हो, तो फिर तो और भी ज्यादा सोचना पड़ता है। अगर छोटी हाइट वाली लड़कियां अपने लुक को ग्लैमरस बनाना चाहती हैं, तो आपको कपड़े के डिजाइन को लेकर उसके रंग और पैटर्न सभी पर ध्यान देना पड़ता है। तब जाकर वह ऑउटफिट आपके लुक को ग्रेसफुल बनाएगा।
अगर आपकी भी हाइट कम है और आप अपने लुक को खूबसूरत बनाने का सोच रही हैं, तो आज हम आपको कुछ डिफरेंट डिजाइन वाले सूट लुक्स दिखाने जा रहे हैं। जिनसे आप इंस्पिरेशन लेकर अपना लुक स्टाइलिश बना सकती हैं। ऐसे में आप जब भी कभी सलवार-सूट लेने जाएं तो नीचे बताए गए इन टिप्स को जरूर फॉलो करें। ताकि आपका लुक आकर्षक दिखने के साथ कॉन्फिडेंस से भरा रहे।

वर्टिकल प्रिंट सूट चुनें

अगर आपकी हाइट छोटी है तो आपको हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स की जगह वर्टिकल प्रिंट कुर्ती को सलेक्ट कर सकती हैं। ऐसी कुर्तियां कैरी करने के बाद आपकी हाइट लंबी नजर आती है। साथ ही, इस प्रिंट की कुर्तियां काफी स्टाइलिश लुक भी देती हैं। इनको आप किसी फंक्शन में भी कैरी करके जा सकती हैं। इसमें आपको हर स्टाइल की कुर्ती मिल जाएंगी। यह आपको ऑनलाइन 300 से लेकर 1000 रुपये तक की कीमत में मिल जाएंगी। जिन लड़कियों की हाइट कम होती है उन्हें हमेशा स्मॉल प्रिंटेड वाले सलवार-सूट का चयन करना चाहिए।

मिनटों में पाएं बड़ी और खूबसूरत आंखें

मेकअप करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन जब भी आई लाइनर अप्लाई करने की बात आती है, तो हम अलग-अलग ट्रिक्स को ट्राई करते हैं। छोटी आंखों को बड़ा दिखाने के लिए भी आप कुछ आसान तरीकों के बारे में जानें। मेकअप करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए कई सारे लोग ऑनलाइन वीडियो देखकर अपने मेकअप को फ्लॉलेस तरीके से करते हैं। वहीं कुछ लोग पार्लर जाकर मेकअप करवाना पसंद करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लुक खराब नहीं होना चाहिए। लेकिन जब आई लाइनर लगवाने की बात आती है, तो हमें अक्सर दिक्कत होती है। कई बार तो लाइनर लगाते समय ही फैल जाता है। कई बार मोटा लग जाता है, तो इससे आंखे छोटी लगने लगती है। ऐसे में आप कुछ आसान तरीके से काजल को लगाएं, ताकि आपकी आंखें बड़ी नजर आए।

छोटी आंखों पर लगाएं आईलाइनर

आपकी आंखें छोटी होती है। इसलिए ज्यादातर लोग अपनी आंखों पर काजल लगाना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन आप चाहें तो लाइनर को भी अपनी आंखों पर अप्लाई कर सकती हैं। इससे आपकी आंखे बड़ी नजर आएंगी। बस आपको कुछ आसान तरीके को ट्राई करना है। इससे आपको लाइनर लगाना भी सही तरीके से आ जाएगा।

लिक्विड आईलाइनर का इस्तेमाल

कई बार हम पेंसिल आईलाइनर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आंखें अगर छोटी हैं, तो इसके लिए आप लिक्विड आईलाइनर का इस्तेमाल करें। इसमें कलर ज्यादा डार्क आता है। ऐसे में जब यह आईलाइनर आंखों पर लगता है, तो आंखे बोल्ड नजर आएंगी। आई लाइनर को लगाने के लिए पहले आप छोटे-छोटे डॉट को आंखों पर बनाएं। इसके बाद लाइन को पतला करके खींचे।

ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ खूब जचेंगे चोकर

अगर आप भी अपने ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ पहनने के लिए नेकलेस सेट तलाश रही हैं, तो खूबसूरत चोकर डिजाइन नेकलेस आपके लिए बेस्ट हो सकते हैं।

खूबसूरत कुंदन स्टड नेकलेस सेट

अगर आप अपने घर के फंक्शन में लहंगा पहनने वाली है, तो अब आप अपने लहंगे लुक को गॉर्जियस और एलिगेंट टच देने के लिए इस खूबसूरत कुंदन स्टड नेकलेस सेट डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस नेकलेस को आप ऑनलाइन खरीद सकती है या फिर अपने नजदीकी दुकान पर ऑर्डर देकर मंगवा सकती हैं।

खूबसूरत ब्लैक स्टोन गोल्ड प्लेटेड चोकर नेकलेस

शादी वाले घर में अगर आप भीड़ से हटकर दिखाना चाहती हैं और सभी मेहमानों को खुश करना चाहती हैं, तो अपने आउटफिट के साथ इस खूबसूरत ब्लैक स्टोन गोल्ड प्लेटेड चोकर नेकलेस डिजाइन को भी ट्राई कर सकती हैं। इस नेकलेस को पहनकर आप किसी हसीना से कम नहीं लगेंगी। आपको यह नेकलेस ऑनलाइन मिल जाएगा।

गोल्ड प्लेटेड ट्रेडिशनल कुंदन चोकर डिजाइन

अगर आप किसी भी फंक्शन में हैवी मिरर वर्क या खूबसूरत साड़ी पहनने वाली है, तो अपने साड़ी लुक को सबसे अलग और खूबसूरत बनाने के लिए आप इस गोल्ड प्लेटेड ट्रेडिशनल कुंदन चोकर डिजाइन नेकलेस को ट्राई कर सकती है यह नेकलेस आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देगा। इसके साथ आप कानों में मैचिंग इयररिंग और मांग टीका भी शामिल कर सकती है।

कार्नर न्यूज

दोस्त या भाई के इस्तेमाल किए फैशनेबल आइटम्स से दूर रहें तो बेहतर

दूसरों के इन फैशनेबल आइटम्स को नहीं करना चाहिए इस्तेमाल, इसके पीछे की वजह भी जानिए

अपने दोस्त या भाई के फैशनेबल आइटम्स को पसंद करना चाहिए। यह अच्छी आदत है। मगर उनकी चीजों को पसंद करने का मतलब यह नहीं कि आप उन्हें हथिया लें। कई लोगों को जैसे ही किसी दूसरे की चीजें पसंद आती हैं, उसे लेकर पहन लेते हैं। जबकि ये सबसे बुरी आदत है। यह आदत स्वास्थ्य के हिसाब से भी हानिकारक साबित हो सकती है। इसलिए आज हम उन चीजों के बारे में बात करेंगे जो भूलकर भी इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। जबकि हम लोग इन चीजों को बिना सोचे समझे एक झटके में पहन लेते हैं। ऐसा करने वाले भी काफी लोग हैं।

क्यों उपयोग नहीं करना चाहिए?

पहली बात यह है कि यह अच्छी आदत नहीं। हमें कभी भी ऐसा नहीं करना चाहिए। दूसरी बात है स्वास्थ्य संबंधित। जी हां, इन चीजों के उपयोग से आपको संक्रमण हो सकता है। हालांकि आपको यह बात मजाक लगे लेकिन ऐसा करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। चलिए अब हम उन चीजों के बारे में जान लेते हैं-

चश्मा / सनग्लास

वायरस और बैक्टीरिया दोनों से ही आंखों में संक्रमण होते हैं। कंजक्टिवाइटिस, आंखों का लाल होना, आंखों में खुजली आदि संक्रमण आंखों में होते हैं। ये संक्रमण बहुत तेजी से फैल सकते हैं। इसलिए आंखों के बचाव के लिए हम चश्मा पहनते हैं।
मगर कई लोगों के चश्मे बहुत पसंद आते हैं। जैसे ही हम देखते हैं उस पर दिल आ जाता है। इसलिए उनके चश्मे / सनग्लास को आजमाने लगते हैं। मगर हमें कभी भी किसी दूसरे शख्स का चश्मा / सनग्लास नहीं पहनना चाहिए। अगर आपको आजमाना भी है तो इसके लिए दुकान चले जाएं। वहां से अपने लिए नया चश्मा लेकर आ जाएं।

टोपी / कैप

सिर में होने वाले संक्रमण से अगर आप अवगत नहीं हैं तो हो जाएं। क्योंकि यहां से भी संक्रमण फैल सकता है। इसके लिए आपको अपनी आदत सुधारनी होगी। हम कई बार किसी दूसरे की टोपी / कैप को पहन लेते हैं।
अगर आप किसी दूसरे की टोपी / कैप पहनते हैं तो इससे इंफेक्शन हो सकता है। खासकर सिर में सबसे अधिक होने वाली समस्या डैंड्रफ भी आपके सिर में हो सकती है। इसलिए अपने लिए नई टोपी खरीद लें क्योंकि ये काफी सस्ती होती हैं।

फैशनेबल मास्क

कोरोना काल में मास्क हमारे वार्डरोब का अहम हिस्सा हो चुका है। यह आने वाले कितने समय तक हमारे साथ रहेगा किसी को नहीं पता है। खैर हमें इसका पता नहीं लेकिन यह बात जान लें कि कभी भी किसी दूसरे शख्स का मास्क इस्तेमाल न करें।
घर में कई बार किसी दूसरे का रियूजेबल मास्क पसंद आने पर या अन्य किसी कारणवश हम इसे यूज कर लेते हैं। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए सबसे खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए आप भूलकर भी किसी दूसरे का मास्क उपयोग न करें।